संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 94
पृष्ठ 8
रविवार
21 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्रिसमस बनाना है स्पेशल तो....
विचार- बच्चों को सोशल मीडिया से दूर...
खेल- टी20 विश्व कप के लिए भारतीय...

नादिया रैली को कोलकाता से पीएम मोदी ने किया वर्चुअली संबोधित

बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा

कोलकाता,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तहेरपुर हेलीपैड पर उतरने की कोशिश में असफल रहे। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी, जिससे पीएम का हेलीकॉप्टर कुछ समय हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता हवाई अड्डे लौट गया। उन्होंने एयरपोर्ट से ही वर्चुअली संबोधन किया। उन्होंने खराब मौसम के कारण रैली स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर लोगों से माफी भी मांगी। पीएम मोदी ने सभा को वर्चुअली संबोधन में महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए कहा कि वंदे मातरम ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का मंत्र था। पीएम मोदी ने कहा वंदे मातरम को राष्ट्र निर्माण का मंत्र बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा

कि केंद्र सरकार देश के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बंगाल समेत पूरे देश के लोगों को बड़ी राहत दी है और दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों के दौरान देशभर के लोग इससे काफी लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। पीएम ने कहा कि गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है और बिहार ने बंगाल को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि वे पूरे दिल से बंगाल के लोगों के लिए समर्पित हैं और राज्य के लिए फंड और नीतियों की कोई कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई विकास परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से लंबित पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है तो करे, लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए विकास को रोके जाने की बात समझ से बाहर है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे भाजपा को एक मौका दें, डबल इंजन सरकार बनने दें और भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बंगाल के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन से पहले 3,200 करोड़ रुपये के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी सुबह करीब 10.40 बजे दिल्ली से कोलकाता पहुंचे थे। वहां से हेलिकॉप्टर से ताहिरपुर रवाना हुए। लेकिन, घने कोहरे के कारण हेलिकॉप्टर कुछ देर तक हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता लौट गया। गौरतलब है कि अपने बंगाल दौरे पर प्रधानमंत्री करीब 3,200 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नदिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–34 के बरजागुली–कृष्णानगर सेक्शन के 66.7 किलोमीटर लंबे फोर–लेन का उद्घाटन और उत्तर 24 परगना जिले में 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात–बरजागुली सेक्शन के फोर–लेन का शिलान्यास किया। अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं से कोलकाता और सिलीगुड़ी के बीच एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी लिंक बनने की उम्मीद है, जिससे राज्य के दक्षिणी और उत्तरी हिस्सों में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने बंगाल दौरे से पहले शुक्रवार शाम को एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पश्चिम बंगाल के लोगों को केंद्र सरकार की कई जन–समर्थक पहलों से फायदा हो रहा है।

सीएम योगी ने दी सीख–

नौकरी के नाम पर विदेश जाने के झांसे से बचें, दिए निर्देश, जालसाजों पर करें कार्रवाई

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि लोगों को विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाय। ऐसे एजेंटों से पीड़ितों का पूरा पैसा भी वापस कराया जाय। उन्होंने विदेश भेजने के नाम पर फ्रॉड करने वालों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार सुबह कड़ाके की ठंड में आयोजित जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने करीब 250 लोगों से मुलाकात की। सीएम योगी ने सभी को

आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी निराकरण कराया जाएगा। जनता दर्शन में आई एक महिला ने परिवार के एक सदस्य को विदेश भेजने के नाम पर एजेंट द्वारा ठगी किए जाने का मामला मुख्यमंत्री को बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित का पैसा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला को भी समझाते हुए कहा, विदेश जाने के नाम पर एजेंटों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। गलत तरीके से जाने पर लोगों को वहां जेल में रहना पड़ जाता है। जनता दर्शन में आए पुलिस से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है।

वन्यजीवों के पक्ष में अदालत की दो टूक

सीएसआर सिर्फ समाज नहीं, पर्यावरण की भी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम और दूरगामी संदेश देते हुए साफ कहा है कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी को पर्यावरणीय जिम्मेदारी से अलग नहीं किया जा सकता। कंपनियां अगर खुद को सामाजिक रूप से जिम्मेदार बताती हैं, तो उन्हें पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति भी उतनी ही जवाबदेही निभानी होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण से जुड़े मामले में कहा कि सीएसआर कोई दान नहीं, बल्कि संवैधानिक कर्तव्य है। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 51ए (जी) का हवाला देते हुए कहा कि पर्यावरण, जंगल, नदियों और जीव–जंतुओं की रक्षा हर नागरिक और हर संस्था की जिम्मेदारी है। कंपनियां भी एक "कानूनी व्यक्ति" होने के नाते इस कर्तव्य से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान और गुजरात में गोडावण के बचे हुए अंतिम सुरक्षित इलाकों को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि इन प्राथमिक संरक्षण क्षेत्रों में अब नए पवन टर्बाइन और 2 मेगावाट से अधिक क्षमता वाले सौर प्रोजेक्ट स्थापित नहीं किए जा सकेंगे। साथ ही, ओवरहेड बिजली लाइनों पर भी सख्त पाबंदी रहेगी। कोर्ट ने 'पोल्यूटर पेज' सिद्धांत लागू करते हुए कहा कि पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई कंपनियों को ही करनी होगी। न्यायालय ने दो टूक शब्दों में यह भी कहा कि कंपनियों को यह समझना होगा कि वे गोडावण के आवास क्षेत्र में मेहमान हैं, उसके मालिक नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने नीलगिरि हाथी कॉरिडोर मामले में भी सख्त रुख अपनाया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने कहा व्यावसायिक गतिविधियों से सबसे ज्यादा नुकसान उन जानवरों को होता है, जो बोल नहीं सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि होटल और रिसॉर्ट हाथियों के प्राकृतिक मार्ग में बाधा डाल रहे हैं और ऐसे मामलों में फायदा हमेशा वन्यजीवों को मिलेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

वैश्विक शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव आया, अब कोई मर्जी नहीं थोप सकता

पुणे,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बयान में कहा है कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक संतुलन बड़े बदलाव से गुजर रहा है और अब ताकत के कई केंद्र उभरे हैं। पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, कोई भी देश, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, अब सभी मुद्दों पर अपनी मर्जी थोप नहीं सकता। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह भी है कि अब दुनिया के देशों के बीच एक स्वाभाविक मुकाबला है और यह अपना संतुलन बनाता है। शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभरे हैं। उन्होंने कहा कि शक्ति के विचार की कई परिभाषाएं हैं, जिनमें व्यापार, ऊर्जा, सेना, संसाधन, तकनीक और टैलेंट शामिल हैं। यह इसे एक खास तौर पर जटिल बनाते हैं। जयशंकर ने कहा, यह पहचानना भी जरूरी है कि वैश्विक शक्तियां अब सार्वभौमिक होने में सक्षम नहीं हैं। वैश्वीकरण ने हमारे सोचने और काम करने के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। जयशंकर ने कहा, हमारे जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को अगर तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है, तो उसे महत्वपूर्ण और आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग विकसित करनी चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा जब मैं आपके समय में था, तब दुनिया अलग थी और कम जटिल थी, लेकिन दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजरी है और हमारे समाज और देश में भी बदलाव हुए हैं। अब नई पीढ़ी पर जिम्मेदारी है कि वे विकसित भारत की जिम्मेदारी लें। बांग्लादेश के हालात पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, बांग्लादेश बनने के कुछ साल बाद, हमारे सामने पाकिस्तान के साथ–साथ पश्चिम और चीन भी थे। इसके जवाब में, भारत ने सोवियत संघ के साथ एक मजबूत रणनीतिक रिश्ता बनाया। यह सुधारों से पहले का दौर था, जिसमें कम आर्थिक विकास, कमी, लाइसेंसिंग कंट्रोल और सीमित विदेशी व्यापार था। हमारे समाज और दुनिया के साथ हमारे संबंध आज से बहुत अलग थे। डॉ. जयशंकर ने कहा, श्आजादी के बाद, कई देश तरक्की और खुशहाली हासिल कर पाए और अब वे अपनी किस्मत खुद कंट्रोल करते हैं। सही फैसलों और समझदारी भरी नीतियों ने बहुत बड़ा फर्क डाला है। भारत के मामले में, हमने देखा है कि कैसे नेतृत्व और प्रशासन ने हमारी आर्थिक ग्रोथ और सामाजिक बदलाव के अलग–अलग दौर में उतार–चढ़ाव का सामना किया। इस दौर में जिस देश ने सबसे ज्यादा फायदा उठाया है, वह चीन है। लेकिन हमने भी अच्छा किया है, खासकर सुधारों के बाद के दौर में, और पिछले दशक में तो और भी ज्यादा। इसके उलट, पश्चिमी दुनिया का ज्यादातर हिस्सा अब महसूस करता है कि वह ठहर गया है, यह भावना धीरे–धीरे राजनीतिक मायने लेने लगी है। पश्चिमी लोगों ने जानबूझकर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए उत्पादन इकाइयों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया। इसके चलते बीते वर्षों में उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कम हुई है, जिसे उनके लाइफस्टाइल ने और प्रभावित किया है।

सोनिया गांधी बोलीं–

मनरेगा हटाकर काला कानून लाई सरकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने विकसित भारत–जी राम जी विधेयक संसद से पारित होने के बाद शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नए "काले कानून" के खिलाफ लड़ाई को प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश में कहा, "मुझे आज भी याद है, 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अतिगरीब लोगों के लिए रोजी–रोटी का जरिया

बना।" उन्होंने कहा, "रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर–परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक दिया गया, साथ ही ग्राम पंचायतों को ताकत मिली। मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम उठाया गया।"

उन्होंने दावा किया कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ। सोनिया गांधी ने कहा, ष्बहुत अफसोस की बात है कि अभी हाल में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, बल्कि मनरेगा का रूप–स्वरूप बिना विचार–विमर्श किए, बिना किसी से सलाह–मशवरा किए, बिना विपक्ष को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से बदल दिया गया। उनका कहना है, ष्अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी।ष सोनिया गांधी ने कहा, ष्कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है।

सोनिया गांधी ने कहा, ष्इस हमले का मुकाबला करने के लिए हम सब तैयार हैं। 20 साल पहले अपने गरीब भाई–बहनों को रोजगार का अधिकार दिलवाने के लिए मैं भी लड़ी थी, आज भी इस काले कानून के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

स्कॉर्पियो की टक्कर से दो सीओडी कर्मचारियों की मौत

प्रयागराज में बाइक से स्टेशन जा रहे थे, दोनों कानपुर में तैनात थे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में स्कॉर्पियो की टक्कर से दो सीओडी (केंद्रीय आयुध डिपो) कर्मचारियों की मौत हो गई। दोनों कर्मचारी बाइक से रेलवे स्टेशन ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों सीओडी कर्मचारी बाइक से रॉन्ग साइड में जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कर्मचारी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही नैनी पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को तुरंत स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दोनों सीओडी के कर्मचारी कानपुर में तैनात थे। वे किसी काम से प्रयागराज आए थे और शनिवार सुबह ट्रेन से वापस जाने की तैयारी में थे। पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। स्कॉर्पियो चालक से पूछताछ की जा रही है। हादसा नैनी थाना क्षेत्र में सुबह करीब 5 बजे हुआ।

मूल रूप से मेजा दुबे पुर के रहने वाले दिलीप कुमार नैनी चक बबुरा त्रिवेणी नगर में रहते थे। दिलीप के तीन बेटे बेटे दिव्यांशु, वैभव और दक्ष हैं। उनकी पत्नी बबिता बौद्ध की मौत बीते 15 अगस्त को हो गई थी। दिलीप कुमार कानपुर सीओडी में कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात थे। इसके पहले वह सीओडी प्रयागराज में कार्यरत थे।

दिलीप के भाई संदीप ने बताया कि वह कानपुर में किराए का कमरा लेकर भी रहते थे, लेकिन अधिकतर नैनी से कानपुर के लिए अप डाउन करते थे। कुछ दिन के लिए छुट्टी पर आए थे। शनिवार को अपने साथी राम आशीष शर्मा के साथ बाइक लेकर कानपुर जाने के लिए नैनी स्टेशन जा रहे थे। पुराने यमुना पुल पर सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई।

दूसरे साथी मृतक राम आशीष पुत्र कोदई राम शर्मा मूल रूप से गोरखपुर के रहने वाले थे। वह सीओडी में सीनियर मटेरियल असिस्टेंट के पद पर कार्यरत थे। वह अपने परिवार के साथ नैनी के प्रेम नगर में मकान बनवाकर रह रहे थे। राम आशीष के एक बेटे सूरज और एक बेटी रागनी के साथ पत्नी शोभा नैनी के मकान में रहती थी। जो एक सप्ताह पहले ही अपने गांव गोरखपुर गई हुई थी।

नैनी इंस्पेक्टर ब्रज किशोर गौतम ने बताया कि पुराने यमुना पुल पर सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को तत्काल स्वरूप रानी चिकित्सालय भेजा गया। जहां दोनों को डॉक्टर ने अमित घोषित कर दिया। दोनों मृतक के परिजनों को जानकारी कर दी गई है शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

प्रेमी-प्रेमिका को छप्पर में पकड़ा, शादी करवाई

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को गांव वालों ने पकड़ लिया। इसके बाद हंगामा मच गया। मौके पर भीड़ जुट गई। प्रेमी–प्रेमिका के परिवार वालों को बुलाया गया। काफी देर तक कहासुनी होती रही। फिर पंचायत बैठी। पंचायत में दोनों पक्षों की बात सुनी गई। लड़के–लड़की ने भी परिवार और पंचायत के सवालों के जवाब दिए। इसके बाद दोनों की शादी कराने का फैसला लिया गया। दोनों को मंदिर ले जाकर पूरे रीति–रिवाज के साथ शादी कराई गई और लड़की को लड़के के साथ बाइक पर बैठाकर विदा कर दिया। इस दौरान वहां मौजूद लोग इस अनोखे विवाह और विदाई के पल को मोबाइल कैमरों में कैद करते रहे। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला हंडिया क्षेत्र का है। हंडिया थाना क्षेत्र जगुआ शोसा गांव के रहने वाले युवराज उर्फ पवन (22) और जबरा डीह हंडिया गांव की रहने वाली गुड़िया बिंद (20) का अफेयर चल रहा था। इनके गांवों के बीच की दूरी महज 300 मीटर है। 2 साल से पवन और गुड़िया लव अफेयर में थे। दोनों की मोबाइल पर लगातार बातचीत होती थी। दोनों एक दूसरे से चोरी छिपे मिलते–जुलते रहते थे। कई बार युवराज, गुड़िया से मिलने के लिए उसके गांव आता था। 17 दिसंबर की सुबह दोनों घर से निकले और गांव से 200 मीटर दूर खेत में बने एक छप्पर में मिले। दोनों एक–दूसरे से बात ही कर रहे थे कि गांव के एक युवक ने उन्हें देख लिया। इसके बाद हंगामा मच गया। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर उनके परिवार के लोग भी पहुंच गए। इस दौरान जमकर हंगामा हुआ। दोनों ने पूछताछ में प्यार की बात कबूल ली। पहले तो दोनों पक्षों में हल्की झड़प हुई। गांव के लोगों ने बीच बचाव कर रास्ता निकालने की बात कही। देखते ही देखते बात गांव की पंचायत तक पहुंच गई। बाद में दोनों की शादी करा दी गई और उन्हें विदा कर दिया गया। हालांकि, विदाई के बाद दोनों को उनके घरवालों ने कहीं और जाकर रहने को कह दिया। इसके बाद दोनों वहां से चले गए। 4 घंटे चली पंचायत के बाद शादी का फैसलारू दोनों परिवारों की नोकझोंक बढ़ी तो मामला पंचायत तक पहुंच गया। राहुल, गुड़िया और उनके परिवार वाले पहुंचे। काफी देर तक सवाल–जवाब चले। गुड़िया के घरवाले पुलिस बुलाने पर आमादा थे, लेकिन गांव वालों ने समझाया कि दोनों की जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। गुड़िया भी राहुल के खिलाफ शिकायत करने को तैयार नहीं थी। दोनों ने शादी के लिए हामी भरीरू झगड़े न कर समाधान निकालने की बात हुई। मुकदमेबाजी और बवाल से बचने के लिए दोनों पक्ष समझौते के लिए मान गए। फिर राहुल से पूछा गया कि वह क्या चाहता है। उसने शादी की बात कही। गुड़िया भी राजी थी। कुछ दिन गांव से दूर किराए पर रहने की शर्त : राहुल के पिता नहीं हैं। ऐसे में उसकी मां ने शर्त रखी कि दोनों शादी के बाद तुरंत घर नहीं आएंगे। बहुत बदनामी हो चुकी है। फिर तय हुआ कि दोनों कुछ दिन गांव से दूर किराए पर रहेंगे। लड़के ने वादा किया कि वह अब ईमानदारी से नौकरी करेगा, ताकि परिवार चला सके। भोलेनाथ चौरा मंदिर में सादगी के साथ शादीरू करीब 4 घंटे की पंचायत के बाद शादी का फैसला लिया गया। दोनों को मंदिर ले जाया गया। गांव के भोलेनाथ चौरा मंदिर में सादगी के साथ आनन–फानन में शादी कराई गई। लड़के के पास बाइक पहले से थी। वह दुल्हन को बाइक से ही विदा कराकर ले गया।

नीट छात्र की लाश फंदे पर लटकी मिली, प्रयागराज में परिजन बोले- खुला था दरवाजा, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के अल्लापुर इलाके में बजरंग चौराहे के पास शनिवार सुबह एक 23 वर्षीय युवक का शव किराए के कमरे के भीतर फांसी पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नीतीश कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला था। परिवार के लोगों ने बताया– नीतीश पिछले करीब दो महीने से अल्लापुर के बजरंग चौराहे के पास कुल्लू मार्केट स्थित किराए के कमरे में रह रहा था।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेंडर नं0 पी आर वाइ जे-सिग-030-2025-26

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: 030	अनुमानित मूल्य : 5026300.42	बिड सिक्यूरिटी : 100500/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00	कार्य समापन की अवधि : बारह माह	

निविदा खुलने की तिथि : 15.01.2026

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के वरि0 मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता /प्रयागराज के पं0 दीन दयाल उपाध्याय - कानपुर खन्ड में एक वर्ष की अवधि के लिये ए.एफ.टी.सी. माड्यूल के रिपेयर का कार्य।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदादाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2461/25 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

L.No. E/CS/D&AR/Sandeep Singh/2025/05 दिनांक: 18.12.2025

गैरहाजिरी सूचना

श्री संदीप सिंह पुत्र श्री दान बहादुर, पदनाम- ट्रैकमेन्टेनर-IV, अधीनस्थ - वरि0 खण्ड अभियंता/पी0वे0/उ0म0रे0/खागा, स्थाई पताः ग्राम-हकीमपुर, पोस्ट--कटहरा, तहसील-हंडिया, थाना-उतराव, जिला- प्रयागराज, उ0प्र0, पिन कोड 221503, आपको दिनांक- 14.04.2025 से लगातार रेलवे सर्विस में बगैर किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण रेल नियम के अन्तर्गत मानक फॉर्म -5 (मेजर पेनाल्टी चार्जशीट) आरोप सं0 E/CS / D&AR / Sandeep Singh / 2025/05 dated 22.07.2025 जारी किया गया, तदुपरांत श्री अखिलेश कुमार, वरि0 खण्ड अभि0/रे0प0/ सैयद-सरॉवां को दिनांक 18.08.2025 को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया। उक्त मामले की जाँच करके जाँच अधिकारी ने जाँच कार्यवाही की सम्पूर्ण पत्रावलियों सहित अपनी फाइन्डिंग रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 12.11.2025 को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत जाँच पत्रावलियों का अधोहस्ताक्षरी द्वारा निष्पक्षता के साथ अवलोकन किया गया एवं रेलवे सर्विस में आपके अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने का कारण आपकी गम्भीर बीमारी को दर्शाया गया है। उपरोक्त के सम्बन्ध में आपको दिनांक 12.11.2025 एवं 02.12.2025 को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है, जिसके सापेक्ष आपने स्वयं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दिनांक 11.12.2025 को उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत किया है, जो संतोषजनक नहीं है।

अतः आपको अन्तिम अवसर देते हुए पुनः सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के एक सप्ताह के अन्दर रेल सेवा में ड्यूटी हेतु सहायक मण्डल अभियंता/लाइन/उ0म0रे0/प्रयागराज (अनुशासनात्मक अधिकारी) के समक्ष उपस्थित होवें, अन्यथा निर्धारित समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् अग्रिम कार्यवाही करते हुए केस का निस्तारण कर दिया जायेगा।

(अनुशासनात्मक अधिकारी)

2459/25 (MG) सहा0 मण्डल अभि0/लाइन उ0म0रे0, प्रयागराज

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

माघ मेले में नावों पर रखनी होगी किराया सूची

श्रद्धालुओं से मनमाना वसूली पर रोक लगाने के लिए फैसला, मेला अफसरों–नाविक संघ की मीटिंग

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले में देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं से नाव किराये में मनमानी वसूली पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। नाविक संघ और महिला पुलिस प्रशासन के साथ हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए, जिनका सख्ती से पालन कराया जाएगा।

श्रद्धालुओं को दिखानी होगी रेट लिस्ट

बैठक में तय किया गया कि सभी नावों पर किराया सूची (रेट लिस्ट) लगाना अनिवार्य होगा। श्रद्धालुओं के मांगने पर नाविकों को यह सूची दिखानी होगी, ताकि तय दर से अधिक वसूली न हो सके।

मोटर बोट पर रोक, सिर्फ चप्पू वाली नावें

माघ मेले के दौरान गंगा और संगम क्षेत्र में मोटर बोट का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल चप्पू से चलने वाली नावों को ही संचालन की अनुमति दी जाएगी।

लाइफ जैकेट अनिवार्य

सभी नावों पर पर्याप्त संख्या में लाइफ जैकेट रखना जरूरी होगा। बिना लाइफ जैकेट श्रद्धालुओं को नौका विहार की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

स्नान घाटों पर भी लगेगा रेट लिस्ट बोर्ड

श्रद्धालुओं की सुविधा और पारदर्शिता के लिए इस बार सभी प्रमुख स्नान घाटों पर भी किराया सूची का बोर्ड लगाया जाएगा, ताकि श्रद्धालु पहले से ही तय दरों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा करेंगे सुनिश्चित

अफसरों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले नाविकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। महिला पुलिस और संबंधित विभाग नियमित निगरानी करेंगे, जिससे माघ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित हो सके।

नाविक संघ की प्रमुख मांगें

नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने बताया कि बैठक में संघ की ओर से भी कई मांगे रखी गईं। जिनमें से मोटर बोट संचालन प्रतिबंधित करने की मांग स्वीकार कर ली गई है। अन्य मांगों पर विचार करने का आश्वासन अफसर ने दिया है।

नाविक संघ ने महंगाई का हवाला देते हुए नाव के किराये को दो गुना किए जाने की मांग रखी। संघ का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण वर्तमान किराया पर्याप्त नहीं है।

नाविकों ने प्रशासन से मांग की कि सुरक्षा के लिहाज से सभी नाविकों को निःशुल्क लाइफ जैकेट उपलब्ध कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संघ ने कहा कि पर्वों के दिन हमेशा की तरह सभी नाव घाट बंद न किए जाएं। घाट बंद होने से श्रद्धालुओं और नाविकों दोनों को परेशानी होती है।

नाविक संघ ने निजी मोटर बोट (स्टीमर) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग दोहराई। संघ का कहना है कि मोटर बोट चलने से हजारों पारंपरिक नाविकों की रोजी–रोटी प्रभावित होती है।

संघ ने मांग रखी कि दूसरे जनपदों से आए नाव चालकों का नया लाइसेंस न बनाया जाए, ताकि स्थानीय नाव चालकों के बीच विवाद की स्थिति न बने।

पूर्व की तरह नाविकों के लिए एक जेटी बनाए जाने की मांग की गई, जिससे श्रद्धालुओं को संगम स्नान के लिए नाव पर चढ़ने–उतरने में असुविधा न हो।

नाविक संघ ने मांग की कि कुशल नाविक गोताखोरों की स्थायी नियुक्ति के लिए जिला प्रशासन शासन को प्रस्ताव भेजे, ताकि माघ मेला, अर्धकुंभ और कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्नाविक संघ के साथ बैठक हुई है। इसमें निर्णय लिया गया है कि मोटर बोट का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। तमाम अन्य सुझाव, मांगों पर भी विचार किया गया है।

न्यूक्लियर पावर में अडानी की एंट्री, यूपी में 1600 मेगावाट के 8 प्लांट की योजना, पीपीपी मॉडल पर सरकार से चल रही बात

प्रयागराज (संवाददाता)। भारत की न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट प्लेयर्स की एंट्री की अनुमति मिलने के बाद अडाणी ग्रुप यूपी में 8 प्लांट लगाने की तैयारी में है। ये 8 स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMR) होंगे। हर एक की क्षमता 200 मेगावाट होगी। 1,600 मेगावाट न्यूक्लियर पावर एनर्जी लगाने के लिए सरकार से पीपीपी मॉडल पर बातचीत चल रही है।

कैसे काम करेगा प्रोजेक्ट?

सूत्रों के मुताबिक, अडाणी ग्रुप और यूपी सरकार के बीच पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल पर बात चल रही है। प्लांट का ऑपरेशन न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) करेगी। स्वदेशी 200 मेगावाट SMR का डिजाइन भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (BARC) विकसित कर रहा है। अप्रूवल मिलने के बाद प्रोजेक्ट पूरा होने में 5–6 साल लग सकते हैं। अडाणी न्यूक्लियर सेक्टर में नया है। इस कारण प्रोजेक्ट लगने में समय लग सकता है।

बड़ी चुनौती नदी किनारे की जगह का

प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी अड़चन जगह का चयन है। रिएक्टर कूलिंग के लिए लगातार पानी की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए नदी किनारे की जमीन चाहिए। यूपी सरकार अभी तक ऐसी जगह फाइनल नहीं कर पाई है। रिएक्टर से पानी डिस्चार्ज होगा। कई स्थानों पर इसे लेकर लोग विरोध भी हो चुका हैं। लोगों का दावा है कि न्यूक्लियर रिएक्टर से पानी डिस्चार्ज होगा, जो नदी के जल को भी प्रदूषित करेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र में पास हुआ ये बिल

संसद ने शीतकालीन सत्र में SHANTI बिल (Sustainable Harnessing and Advancement of Nuclear Energy for Transforming India Bill, 2025) पास किया। इस बिल के जरिए सरकार ने न्यूक्लियर सेक्टर को प्राइवेट कंपनियों के लिए खोल दिया है। सरकार को उम्मीद है कि इससे 214 बिलियन डॉलर का निवेश आएगा। सरकार ने इसकी वजह भी बताया है। देश में बिजली की बढ़ती मांग, डेटा सेंटर्स, AI इन्फ्रास्ट्रक्चर, इलेक्ट्रिफिकेशन और क्लीन एनर्जी पर सरकारों का जोर है। केंद्रीय बजट में SMR के R&D के लिए 200 बिलियन रुपए का प्रावधान किया गया।

प्रयागराज में हेडमास्टर ने बच्चों से कार साफ कराई

वीडियो सामने आने के बाद जांच शुरू हुई, पहले भी रह चुकी हैं सस्पेंड

प्रयागराज (संवाददाता) प्रयागराज के प्राथमिक विद्यालय दोहथा मांडा में हेडमास्टर छवि गुप्ता पर गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि वह विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों से रोजाना अपनी कार साफ करवाती हैं। जिसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में बच्चे स्कूल ड्रेस में कार साफ करते नजर आ रहे हैं। फिलहाल इसकी पुष्टि दैनिक भास्कर नहीं करता है। प्रयागराज के मांडा ब्लॉक के दोहथा गांव में बने प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों का काम करते हुए वीडियो सामने आया है। जिसमें बच्चे कपड़े से कार साफ करते देखे जा रहे है। बच्चे जिस कार को साफ कर रहे है वह कार किसकी है यह जानकारी नहीं है। आरोप है कि हेडमास्टर छवि गुप्ता नियमित रूप से बच्चों को अपने वाहन की सफाई के काम में लगाती हैं। जो बच्चे पढ़ने आते है उनसे काम कराया जाता है। हालांकि इस वायरल वीडियो पर शिक्षा विभाग की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। खंड शिक्षा अधिकारी नीलम शाक्यवार ने बताया कि पांच महीने पहले कौड़ीहार में प्रधान से विवाद के बाद सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद उनकी तैनाती यहां पर की गई है। इनका जो वीडियो सामने आया है, उसकी जांच कराकर उन्हें नोटिस दिया जाएगा और स्पष्टीकरण मांगा जायेगा। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगा। इस बारे में हेड मास्टर छवि गुप्ता से कई बार फोन पर बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

माघ मेला 2026 : प्रयागराज में कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म बदले

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज जंक्शन और छिवकी रेलवे स्टेशन पर कई महत्वपूर्ण ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में अस्थायी परिवर्तन किया है। यह व्यवस्था 2 जनवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल द्वारा इसकी विस्तृत सूची जारी कर दी गई है। माघ मेला अवधि में प्रयागराज जंक्शन पर आने–जाने वाली कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट किया गया है। इसमें राजधानी, संपर्क क्रांति, सुपरफास्ट और मेल एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे के अनुसार प्रयागराज जंक्शन पर अब कई ट्रेनें प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और 5 से संचालित की जाएंगी। राजेन्द्र नगरदृनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (12309) अब प्लेटफॉर्म नंबर 1 से आएगी। गयादृआनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस (22409) भी प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचेगी। हावड़ादृआनंद विहार एक्सप्रेस (12301), हावड़ादृनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (12305) और रांचीदृनई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस (12453) को भी प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर निर्धारित किया गया है। इसके अलावा प्रयागराजदृवाराणसी एक्सप्रेस (11802) प्लेटफॉर्म नंबर 2 से चलेगी। नई दिल्लीदृवाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस (22416) को प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर शिफ्ट किया गया है। गुवाहाटीदृबेंगलुरु एक्सप्रेस (12508) और कामाख्यादृआनंद विहार एक्सप्रेस (15658) भी बदले हुए प्लेटफॉर्म से संचालित होंगी। प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर भी कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में बदलाव किया गया है। अजमेरदृभागलपुर एक्सप्रेस (13424) प्लेटफॉर्म नंबर 3 से आएगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनसदृसहरसा एक्सप्रेस (11015) और लोकमान्य तिलक टर्मिनसदृदरभंगा एक्सप्रेस (12546) भी प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर शिफ्ट की गई हैं। पुणेदृहावड़ा एक्सप्रेस (12121) और पु.ज.आर.दृचेन्नई एक्सप्रेस (12390) भी इसी प्लेटफॉर्म से संचालित होंगी। रेल प्रशासन ने बताया कि प्लेटफॉर्म परिवर्तन की जानकारी स्टेशन पर लगे इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड, इंडिकेटर और उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को दी जाएगी। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन और प्लेटफॉर्म की जानकारी अवश्य जांच लें, ताकि माघ मेला अवधि में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

मंत्री प्रजापति ने सपा–टीएमसी सांसदों के बयानों पर साधा निशाना

प्रयागराज (संवाददाता)। नागरिक सुरक्षा कोर प्रयागराज के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे योगी सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने समाजवादी पार्टी के सांसद आर.के. चौधरी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद मदन मित्रा के बयानों को लेकर कड़ा पलटवार किया। मंत्री ने कहा कि इस तरह के बयान सनातन परंपराओं और धार्मिक आस्थाओं पर सीधा प्रहार हैं, जिन्हें देश और प्रदेश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में नकाब हटाने का मामला ''दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण, सीएम नीतीश कुमार खेद जताकर विवाद खत्म करें : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक मुस्लिम महिला के नकाब हटाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह मामला सुलझने के बजाय मंत्रियों, नेताओं की बयानबाजी के कारण तूल पकड़ता जा रहा है, जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस मामले पर खेद जताने और विवाद को खत्म करने को कहा। मायावती ने अपने आधिकारिक 'एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरण के सार्वजनिक कार्यक्रम में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का नकाब हटाने का मामला सुलझने के बजाय लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और खासकर मंत्रियों आदि की बयानबाजी के कारण इसने विवाद का रूप ले लिया है जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। मायावती ने कहा, ''यह मामला पहली नजर में ही महिला सुरक्षा व सम्मान से जुड़ा होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिए था खासकर तब जब कई जगहों पर ऐसी अन्य घटनाएं भी सुनने को मिल रही हैं। बसपा प्रमुख ने सलाह दी, ''अच्छा होगा कि मुख्यमंत्री इस घटना को सही परिप्रेक्ष्य में देखते हुए इसके लिए पश्चाताप कर लें और कड़वा होते जा रहे इस विवाद को यहीं पर खत्म करने का प्रयास करें।

पत्रकारों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी प्रेस क्लब और मेदांता अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारों और परिवारिजनों के लिए 22 दिसंबर को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजनकिया जा रहा है। सुबह11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब के प्रांगण में शिविर में सामान्य रोग विशेषज्ञ के परामर्श के अलावा ब्लड शुगर टेस्ट ,ईसीजी, ब्लड प्रेशर जांच, नब्ज एसपीओ 2, मॉनिटरिंग और बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट भी होगा।

लेखपाल भर्ती मामलाः मुख्यमंत्री ने अपनाया कड़ा रुख,चेयरमैन को दी चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी के कड़े रुख के बाद रेवेन्यू बोर्ड हरकत में आया।लेखपाल भर्ती के मामले में मचे हो हल्ला के बाद मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। लेखपाल भर्ती में अधियाचन प्रक्रिया को लेकर सीएम योगी के सख्त निर्देश के बाद में राजस्व परिषद ने आदेश जारी किया है।राजस्व परिषद आयुक्त ने यूपीएसएसएससी को पत्र लिखा है।आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद कंचन वर्मा ने साफ निर्देश दिए हैं कि एक हफ्ते में लेखपाल पद के अधियाचन के क्रम में पदों की संशोधित सूचना दें।सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधियाचन प्रक्रिया में शिकायत मिलने पर चेयरमैन राजस्व परिषद को चेतावनी दी थी। वर्तमान में रिक्त 7994 लेखपाल पदों की संख्या की जॉच करते हुए तत्काल नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।7994 खाली पदों पर वर्टिकल और हॉरिजॉटल आरक्षण करने के सीएम ने निर्देश दिए थे।मुख्यमंत्री ने साफ कहा,किसी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं। डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। उन्होंने 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग, 21 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 02 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति का वर्टिकल आरक्षण अक्षरशः लागू करने के निर्देश दिए थे। जहां जीरो टॉलरेंस की बात हो रही हो और भर्ती के नाम पर किरकिरी हो तो मुख्यमंत्री कहां बर्दाश्त करने वाले हैं।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में होगी शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक पदों पर भर्ती

27 पदों पर भर्ती के लिए महिला अभ्यर्थी कर सकेंगी आवेदन

लखनऊ, (संवाददाता)। योगी सरकार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के माध्यम से बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की ओर अग्रसर है। जालौन जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक पदों पर संविदा के माध्यम से पूर्णकालिक, अंशकालिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई है। रिक्त पदों पर महिला अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाएगी।हिंदी और संस्कृत विषय के लिए पूर्णकालिक शिक्षिका के 2 पद, गणित में पूर्णकालिक शिक्षिका के 1 पद, सामाजिक विज्ञान में पूर्णकालिक शिक्षिका के 2 पद, कला क्राफ्ट, संगीत, गृहशिल्प में अंशकालिक शिक्षिकाओं के 2 पद, कम्प्यूटर में अंशकालिक शिक्षिका के 1 पद, मुख्य रसोइया के पूर्णकालिक 6 पद, सहायक रसोइया के पूर्णकालिक 10 पद, परिचारक पूर्णकालिक 1 पद और चौकीदार के पूर्णकालिक 2 पदों पर भर्ती होगी। सभी पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। पदों के लिए आवेदन पत्र का प्रारूप, दिशा निर्देश जालौन जिले की एनआईसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजे गए आवेदन पत्र 6 जनवरी 2026 तक जालौन के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्राप्त हो जाने चाहिए।

एसएसबी स्थापना दिवसः सीएम योगी और केशव मौर्य ने वीर जवानों और उनके परिजनों को दी बधाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के स्थापना दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''सेवा, सुरक्षा और समर्पण के जीवंत प्रतीक सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस की सभी वीर जवानों एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।''योगी ने कहा, ''राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए आपकी निष्ठा वंदनीय है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना 25/61 दिनांक 19.12.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रमांक	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1.	30251659	अल्टरनेट इक्वलाइजिंग स्टे फॉर लोअर स्प्रिंग बीम	3061 नग	14.01.2026
2.	60251177	हाइड्रेंट कंट्रोल वॉल्व	3747 नग	11.02.2026
3.	70253058	ब्राजिंग रॉड	177 किलो	19.01.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

2454/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

जिलाधिकारी के साथ भेंट वार्ता राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न का प्रयागराज दौरा

पत्रकार हित, संगठन विस्तार और माघ मेला को लेकर हुई अहम बैठकें

प्रयागराज। ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने अपने प्रयागराज प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी माघ मेला को लेकर संगठन की भूमिका, पत्रकारों की सक्रिय सहभागिता, समाचार कवरेज की रूपरेखा तथा प्रशासनिक समन्वय जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित संगठनात्मक कार्यक्रम को लेकर भी गंभीर विचार–विमर्श हुआ। राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य तथा प्रदेश एवं जिला इकाइयों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी इकाइयों को आपसी समन्वय, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा।

जिलाधिकारी से भेंट, स्थानीय विज्ञापन को लेकर ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज प्रवास के दौरान राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर फेडरेशन की ओर से उन्हें मोमेंटो भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

मुलाकात के दौरान फेडरेशन के प्रयागराज जिला अध्यक्ष द्वारा पत्रकारों के हित में एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें स्मॉल एंड मीडियम समाचार पत्रों को स्थानीय स्तर पर सरकारी विज्ञापन उपलब्ध कराने तथा विज्ञापन नीति में प्राथमिकता देने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने ज्ञापन की बातों को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष से संवाद, कानूनी सहयोग का भरोसा

राष्ट्रीय महासचिव ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडे 'बबुआ' से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पत्रकारों पर हो रही अनावश्यक गश्त, लंबित रेड मामलों एवं पत्रकारों पर बढ़ते मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश पांडे ने फेडरेशन को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि स्मॉल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फेडरेशन के हितों की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर पत्रकारों को हर संभव कानूनी सहयोग और परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व फेडरेशन के प्रयागराज जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने किया। बैठक में प्रदेश महासचिव अनिल त्रिपाठी, उपाध्यक्ष परवेज आलम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आसिफ जाफरी, हफीज उल्लाह खान सहित प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के गौरव त्रिपाठी, सतीश मिश्रा, अमरदीप चौधरी, मनोज कुमार, दीपक चतुर्वेदी समेत अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें पत्रकार हितों की सुरक्षा, संगठन विस्तार तथा भविष्य की कार्ययोजना को लेकर सकारात्मक और ठोस चर्चा की गई।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

शहर समता प्रयागराज।केन्ध्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में महाप्रबंधक श्री रामेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्ध्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

महाप्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा में काम करने में कोई मुश्किल नहीं है बस जरूरत हैं हमें अंग्रेजी की सोच से बाहर निकलने की तथा अपनी मातृभाषा को अपनाने की । उन्ध्होंने कहा कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ–साथ राष्ध्ट्रीय गौरव का भी विषय है । उन्ध्होंने कहा कि संगठन में राजभाषा नीति का शत–प्रतिशत अनुपालन के साथ हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास भी किए जा रहे हैं । उन्ध्होंने कहा कि हिन्दी को केवल कामकाज की भाषा न समझकर, इसे अपने ह्रदय की भाषा बनाएँ ।अधिक से अधिक हिन्दी भाषा में पढ़ें, हिन्दी में लिखें और अपने दैनिक जीवन में इसके प्रयोग को बढ़ावा दें।

इससे पहले मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. एस. एस. नेगी ने अध्यक्ष (महाप्रबंधक) सहित सभी उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारे संगठन में राजभाषा का प्रयोग–प्रसार निरंतर बढ़ रहा है फिर भी निर्धारित लक्ष्यों की शत–प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु हमें लगातार प्रयत्ध्नशील रहना होगा । उन्ध्होंने कहा कि राजभाषा हिन्दी न केवल हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता, हमारी

गौरवशाली संस्कृति और अस्मिता की भी संवाहक है । प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का सहज, सरल और अधिकाधिक प्रयोग हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

बैठक में मुख्ध्यालय के प्रमुख विभागाध्ध्यक्ष श्री डी.के. सिन्ध्हा , मुख्ध्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर, श्री उपेन्ध्द्र कुमार, मुख्ध्य बिजली इंजीनियर(कार्य), श्री वीरेन्ध्द्र वर्मा, मुख्ध्य सामग्री प्रबंधक सहित सभी विभागों के संपर्क अधिकारी (राजभाषा) एवं अन्ध्य सभी अधिकारी तथा राजभाषा का कार्य देख रहे कर्मचारी शामिल हुए । बैठक का संचालन एवं धन्ध्यवाद ज्ञापन उप मुख्ध्य राजभाषा अधिकारी एवं सदस्ध्य–सचिव श्री बृजेश चौधरी ने किया।

डॉ. उमर अली शाह ने किया बवुरवाका को स्वर्णिम गांव बनाने का आह्वान

बवुरवाका। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह

ने कहा कि यह गांव एक पवित्र जगह है और इसे बवरुवाका नहीं, बल्कि स्वर्णिम गांव कहा जा सकता है।

उन्होंने स्मरण दिलाया कि चौथे पीठाधिपति काहनेशावली इसी पवित्र तांडव नदी के रास्ते पर चले और वहां के लोगों को पवित्र बनाया। इसी तरह, उनके बेटों श्री मोहियाद्दीन ने पहाड़ी इलाके में तपस्या की और इलाके को पवित्र बनाया, और इसी तरह 8वें पीठाधिपति इस बवरुवाका जगह पर चले और इलाके को पवित्र बनाया। जब पवित्र मूर्ति, मोहियाद्दीन इस इलाके में आए, तो उन्होंने यहां के लोगों की मुश्किलें देखीं और इस इलाके में एक अच्छा पानी का कुआं खुदवाया और यहां के लोगों की प्यास बुझाई। अवतारों को हम हमेशा आम समझते हैं। लेकिन उनके चमत्कारी कामों को देखते हुए, उन्हें भगवान समझना चाहिए और उनकी पूजा करनी चाहिए। हमें गुरुओं के पास जाकर भगवान के दर्शन करने चाहिए और उनके प्रति भक्ति और सेवा का भावना रखना चाहिए, तभी हमारा जन्म धन्य होगा। हम इस सृष्टि को अपनी आंखों से देखें और हमें समाज सेवा और ज्ञान सेवा की दो आंखों से इसका दर्शन करना चाहिए और धन्य होना चाहिए। आने वाले समय में हमें इस इलाके में शेल्टर भी बनाने चाहिए और लोगों को अतिरिक्त सुविधाएं देनी चाहिए। उन्होंने जंगलों को नष्ट न करने और जंगली जानवरों को न मारने की अपील करते हुए ग्रामीणों को आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी को यह समझना चाहिए कि वृक्षारोपण भगवान की सेवा है और सभी को यहां तीन–तीन पौधे नहीं बल्कि तीस पौधे लगाने चाहिए और प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए । यही भगवान की सच्ची सेवा है।

इस अवसर पर श्री अहमद अली शाह ने कहा कि उन दिनों इस बवुरवाका गांव तक पहुंचना बहुत मुश्किल था। उस समय श्री मोहिद्दीन बाशा आधे घंटे में टू–व्हीलर पर आते थे, उन्हें यहां प्रायः देखा जाता था। ऐसे महान व्यक्ति आए और इस जगह को पवित्र किया। उन्होंने इस इलाके के भोले–भाले लोगों को सभी जरूरी सुविधाएं दीं और उन्हें पढ़ाया–लिखाया भी।

श्री हुसैन शाह ने कहा कि श्री मोहिद्दीन बाशा यहां के लोगों की मुश्किलों और सुख–सुविधाओं को जानने और उन्हें बचाने के लिए इस जगह पर आए थे, उन्होंने प्यासे लोगों की प्यास बुझाने के लिए इस इलाके में ताजे पानी का कुआं खुदवाया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की प्यास बुझी और लोग इससे बहुत खुश हुए।

इस अवसर पर पूर्वी गोदावरी जिले के संयोजक श्री गोसुला रमना, ऐपुरुवाका के सरपंच श्री मंडा अप्पाराव , पिते अप्पाराव, श्रीमती डोड्डी मंगायम्मा और श्री पकाला चिन्नाबाई ने नेभी अपने विचार व्यक्तत किया और पूर्ववर्ती गुरुओं के साथ अपने यादों को ताजा किया ।

पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का जन्मदिन ऐतिहासिक रूप से मनाया गया

प्रयागराज ।भाजपा चौक मंडल की ओर से मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य के द्वारा ऐतिहासिक एवं महोत्सव के रूप में मनाया गया पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का जन्मदिन सुमित वैश्य ने कहा कि भाभी जी को लंबी आयु वैभव सुख समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह हमेशा स्वस्थ रहें प्रसन्न रहें इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी जी का भी कार्यक्रम में सम्मिलित हो कर पूर्व मेयर को बधाई दी इसी

कड़ी में उपस्थित महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर जी पार्षद ओपी द्विवेदी पार्षद नीरज टंडन मंडल महामंत्री बचपन गुप्ता जी मनमोहन मिश्रा जी धीरज केसरवानी माशू अब्बास नकवी नकवी सौरभ शर्मा कुमकुम श्रीवास्तव प्रहलाद जायसवाल हरि प्रसाद सिंह सोनू शाश्वत मिश्रा अवधेश श्रीवास्तव शिल्पी मालवीय ऋषभ अग्रहरि मनोज केसरवानी रोशनी अग्रवाल अमित गुप्ता मुन्ना गांधी अनूप मिश्रा सीमा गुप्ता मोहिनी चौरसिया आयुष पांडे राजू पांडे रत्नेश यादव विकास द्विवेदी अतुल गुप्ता उत्कर्ष राजकुमार केसरवानी अविनाश त्रिपाठी राजेश केसरवानी योगेश चौरसिया ,सीमा गुप्ता,मोहनी चौरसिया,सुषमा चौरसिया, पुष्पा वर्मा, स्नेहा वैश्य,कीर्ति वैश्य, अनीता केसरवानी, सुधा, मीना मोना भटनागर सोनम गुप्ता मंजू गौतम वैभव इलू अग्रवाल विजय गुप्ता आदि सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए उपरोक्त जानकारी अरविन्द पाण्डेय मीडिया प्रभारी ने दी।

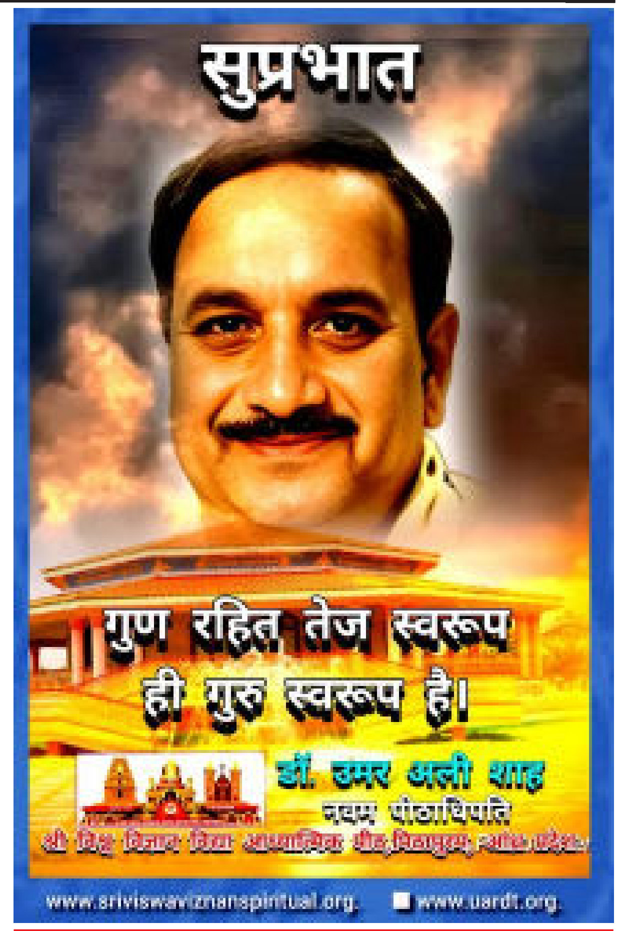

क्रिसमस रोज

(कुण्डलिया)

हेलेबोरस नाइजर, लगते बहुत मनोज।
जिसको हेलेबोर्स कह, कहते क्रिसमस रोज।
कहते क्रिसमस रोज,कहानी मधुर सुहानी।
कन्या के थे अश्रु, फूल बन रचा कहानी।
सुन लो कहें प्रदीप, पूर्ण कर कन्या हसरत।
हैं अब सबके बीच, नाइजर हेलेबोरस।।

मिथकों के ही बीच में, हेलेबोर इतिहास।
जहरीला पौधा बना, जीत जगत विश्वास।
जीत जगत विश्वास, रूप औषधि का धरके।
पागलपन के साथ, दवा यह कृमि का बनके।
सुन लो कहें प्रदीप,फूल मोहें जब सबको।
खुलती है तब बात,,बताते हैं मिथकों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी नीता शर्मा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि विजयालक्ष्मी सिंह, लखनऊ से, विशिष्ट अतिथि सीमा सिंह, असम और अतिथि कवियत्री नलिनी श्रीवास्तव, अयोध्या से जुड़ीं। यह काव्य गोष्ठी शुक्रवार को शाम 7 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन आयोजित की गई। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ डॉ अनिता पंडा द्वारा मधुर गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से की गई और गोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन मल्लिका दे ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, और मल्लिका दे विष्णु ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। अतिथियों ने भी अपनी सार्थक प्रतिक्रियाओं द्वारा सबको प्रोत्साहित कर काव्यपाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही नीता शर्मा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया। अंत में डॉ अनिता पंडा ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

ईंट भट्टों के विनियमन से हुई 193.5 करोड़ की आय,प्रदूषण नियंत्रण में भी सफलता

अवैध ईंट भट्टे के संचालन और वायु प्रदूषण में कमी,एनजीटी के मानकों के अनुरूप संचालन

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में ईंट भट्टों के विनियमन के लिए जनपद स्तरीय समितियों का गठन किया गया, जिससे ईंट भट्टों के संचालन का नियमितीकरण हुआ। एनजीटी के मानकों के अनुरूप प्रदूषण स्तर में कमी लाने में भी उपाय लागू किये जा सके हैं। वित्तीय वर्ष 2025–26 में ईंट भट्टों से 193.5 करोड़ रुपये विनियमन शुल्क के रूप में आय की प्राप्ति हुई है। जो राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, पर्यावरण संरक्षण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में उपलब्धि है।मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक में विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन समितियों ने भट्टा मालिकों से विनियमन शुल्क का शत–प्रतिशत वसूली की, जिसके फलस्वरूप राज्य को लगभग 193.5 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है, जो पिछले वर्षों में प्राप्त विनियम शुल्क की तुलना में अधिक है। सत्यापन अभियान के तहत प्रदेश में चल रहे हजारों की संख्या में अवैध ईंट भट्टों को बंद कराया ,कई भट्टों में मानक के अनुरूप प्रबंधन कराकर मानकीकृत किया गया है। समितियों का संचालन डीएम, एडीएम, एसडीएम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी, स्थानीय पुलिस और पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है । ईंट भट्टों के जनपद स्तरीय सत्यापन से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई है, बल्कि अवैध ईंट भट्टों के संचालन में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। ईंट भट्टों का संचालन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी के मानकों के कड़ाई से अनुपालन ने वायु प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वैध भट्टों को जिग–जैग तकनीक, ऊंची चिमनियां, कम प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग अनिवार्य किया गया। समितियों ने सत्यापन के दौरान 80 प्रतिशत भट्टों को एनजीटी अनुपालन प्रमाणित किया गया।

सम्पादकीय........

आप की खास जीत

आम तौर पर आम आदमी पार्टी को शहरी जनाधार वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन हालिया ग्रामीण निकाय चुनावों में उसकी जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को खूब चौंकाया है। पंजाब के जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के परिणामों ने राजनीतिक वर्चस्व और उभरते मतभेदों की कहानी भी बयां की है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी यानी आप ने ग्रामीण निकाय चुनावों में शानदार सफलता को दर्ज करते हुए राज्यभर में बड़ी संख्या में सीटें जीती हैं। जिसने इस बात की पुष्टि की है कि आम आदमी पार्टी पंजाब के शहरों में ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी लोकप्रियता का आधार रखती है। वहीं दूसरे शब्दों में कहें तो ग्रामीण मतदाताओं में पंजाब की सत्ता में लंबे समय तक भागीदारी निभाने वाले राजनीतिक दलों से मोहभंग का सिलसिला लगातार बना हुआ है। हालांकि, आप की इस सफलता के साथ कुछ ऐसे पहलू भी जुड़े हैं, जिन पर पार्टी और उसके नेताओं को गहन विचार करने की जरूरत होगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी का मजबूत प्रदर्शन उसके शासन के मॉडल के लिये निरंतर समर्थन का संकेत दे रहा है। यह एक ऐसा परिणाम है जो साल 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में आप के पक्ष में सकारात्मक परिदृश्य बना सकता है। इसके विपरीत विरोधाभास यह भी है कि कई जगह ऐसे उल्लेखनीय उदाहरण सामने आए हैं, जहां आम आदमी पार्टी अपने नेताओं के गढ़ों में लड़खड़ा गई है। आप के कई प्रमुख नेता अपने ही गांवों में जीत हासिल करने में विफल रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ, आप को इस पर मंथन करने की जरूरत है। वहीं शिरोमणि अकाली दल ने बठिंडा और मुक्तसर जैसे कुछ इलाकों में अपनी मजबूत पकड़ दर्शायी है। जो पार्टी के लिये हौसला बढ़ाने वाले संकेत कहे जा सकते हैं। दरअसल, शिअद के प्रदर्शन को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी यदि इस बढ़त को आगे भी कायम रख पाती है तो उसके संगठनात्मक पुनरुद्धार के लिये दीर्घकालिक परिणाम सामने आ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन निराशाजनक ही कहा जाएगा। दरअसल, अब भी कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने लिये संघर्ष करती प्रतीत हुई है। ये कांग्रेस के लिये चिंता की ही बात हो सकती है कि वह अपने पारंपरिक गढ़ों तक में अब भी कोई ठोस व दमदार चुनौती पेश करने में असफल ही रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पैठ बनानी आरंभ की है। हालांकि, उसकी यह बढ़त सिर्फ मामूली ही कही जाएगी। बहरहाल, कह सकते हैं कि चुनाव परिणामों से उपजी तसवीर पंजाब में बदलते राजनीतिक परिदृश्य की ओर ही इशारा करती नजर आती है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि किसी भी चुनाव के परिणाम चुनावी परिदृश्य का आंशिक दृष्टिकोण ही परिभाषित करते हैं। मतदाता जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी की नीतियों से काफी हद तक संतुष्ट ही दिखे हैं। इसके बावजूद स्थानीय निष्ठाएं और उम्मीदवार विशिष्ट कारक प्रमुखता से सामने आते हैं। इन स्थानीय ग्रामीण इकाइयों के चुनावों में आम आदमी पार्टी के नेताओं के गृह क्षेत्रों में मिली हार इस बात की भी याद दिलाती है कि किसी दल के लिये राजनीतिक पूंजी बेहद नाजुक ही होती है। यह भी कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय नेतृत्व के प्रति उतने ही सजग और संवेदनशील होते हैं, जितना कि राज्य स्तरीय विचारों के प्रति। आगे चलकर, अगर आप को पंजाब में अपने जनादेश को बनाये रखना है और साथ ही उसका विस्तार करना चाहती है, तो उसे जमीनी स्तर पर नेतृत्व को मजबूत प्राथमिकता के आधार पर तैयार करना होगा। साथ ही उसे ग्रामीण मतदाताओं की विभिन्न चिंताओं का समाधान भी प्राथमिकता के आधार पर करना होगा। अब ये आने वाला समय बताएगा कि आप ने इन चुनाव परिणामों के निहितार्थों का किस सीमा तक चिंतन–मनन किया है। यदि पार्टी इन चुनाव परिणामों से सबक लेकर अपनी रीतियों–नीतियों में बदलाव लाती है तो साल 2027 के विधानसभा चुनावों में उसका जनाधार मजबूत हो सकता है।

बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की मुहिम तेज हुई है

सुरेश पाठक

> *देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिल सकता। बच्चों को गुटखा, शराब आदि हानिकारक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज कर लेती है।*

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को संयुक्त राष्ट्र सहित यूरोप के कई देशों ने समर्थन दिया है। भारत में भी दिल्ली हाईकोर्ट ने अगस्त 2013 में केएन गोविंदाचार्य मामले में आदेश पारित किया था कि नाबालिग बच्चे सोशल मीडिया जॉइन नहीं कर सकते।

इस पर कभी अमल नहीं हुआ। इंटरनेट की दुनिया में परिपक्वता के बगैर बच्चों का निर्बाध प्रवेश, सामाजिक ताने–बाने के साथ देश की आर्थिक प्रगति को अवरुद्ध कर सकता है। इससे जुड़े 7 पहलुओं को समझना जरूरी है। ऑनलाइन खतरों से 13 साल से कम उम्र के बच्चों को बचाने के लिए अमेरिका में 1998 में कानून बना था। ऑनलाइन बुलीइंग और सेक्सटॉर्शन स्कैम में फंसे बच्चों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में कानून बनाया, जो अब लागू हुआ है। इसके अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चे टिक–टॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत 10 प्लेटफॉर्म जॉइन नहीं कर सकते। कानून का उल्लंघन करने वाली कम्पनियों के खिलाफ 3 अरब रु. का जुर्माना लग सकता है। देश में 18 साल से कम उम्र के नाबालिग बच्चे सिम कार्ड नहीं खरीद सकते और उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिल सकता। बच्चों को गुटखा, शराब आदि हानिकारक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ पुलिस मुकदमा दर्ज कर लेती है। कॉन्ट्रेक्ट एक्ट और डेटा सुरक्षा कानून के अनुसार कम्पनियां बच्चों का डेटा हासिल नहीं कर सकतीं। ऑनलाइन दुनिया में यौन–शोषण और पोर्नोग्राफी से बच्चों को बचाने के खिलाफ भारत में भी अनेक कानून हैं। मेटा का 19% से अधिक राजस्व ठगी और प्रतिबंधित कंटेंट के विज्ञापनों से आ रहा है। मेटा के प्रोजेक्ट मर्करी की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया से बच्चों की मानसिक सेहत और शैक्षणिक क्षमताओं पर दुष्प्रभाव पड़ता है। टेक कम्पनियों का एक तिहाई कारोबार बच्चों से होता है। नुकसान से बचने के लिए मेटा ने इस रिपोर्ट को दबा दिया, लेकिन वह लीक हो गई। उसके बाद स्कूल, अभिभावक और कई राज्यों ने कैलिफोर्निया की अदालत में मुकदमा दायर किया। तब ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में टेक कम्पनियों के चंगुल से बच्चों को छुड़ाने की मुहिम तेज हुई। ऑस्ट्रेलिया में कक्षा–10 के शैक्षणिक मापदंड में 72% बच्चों के असफल होने की रिपोर्ट के बाद सोशल मीडिया का मामला राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया। किशोर औसतन 5 घंटे रोज सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया, मीम और एआई चौटबॉट्स ने बच्चों की बोलने और लिखने की क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। उनका मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक भागीदारी और कैरियर प्रभावित हो रहा है। प्रतिबंध के बावजूद बच्चे लॉग–आउट मोड में सोशल मीडिया देख सकते हैं। जेन–जी ने स्नैप–चौट, रेडिट, डिस्कार्ड जैसे सीक्रेट अड्डे तलाश लिए हैं और वे डिजिटल फुटप्रिंट्स को भी नियमित खत्म कर रहे हैं।

कई स्मार्ट बच्चे परिवार, दोस्त और अंजान लोगों से सम्पर्क रखने के लिए तीन एकाउंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वीपीएन और डार्क वेब की दुनिया में बच्चों को रोकने के लिए कानून से ही काम नहीं चलेगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि नए कानून से ऑनलाइन सुरक्षा मिलने के साथ बच्चों का बचपन वापस आएगा। इस सांस्कृतिक बदलाव को सफल बनाने के लिए उन्होंने समाज के साथ राज्यों के नेताओं का भी धन्यवाद किया है। उन्होंने बच्चों से कहा है कि मोबाइल पर समय बिताने के बजाय वे संगीत सीखें, किताबें पढ़ें, दोस्तों के साथ खेलें और परिवारजनों के साथ अच्छा समय बिताएं। भारत में 18 से कम उम्र के 45 करोड़ बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को रोकने के लिए वेरिफिकेशन की मांग हो रही है। इसके लिए सेल्फी, आईडी या बायोमैट्रिक इक्ट्ठा करने की इजाजत मिली तो डेटा के दुरुपयोग से बच्चों की डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इस पर पाबंदी लगाने के लिए टेक कंपनियों से जुर्माना वसूलने वाला डेटा सुरक्षा कानून लागू करना होगा। जब तमाम दूसरी हानिकारक चीजों पर प्रतिबंध है तो सोशल मीडिया को भी उसी श्रेणी में क्यों न रखा जाए? संसद भवन में ई–सिगरेट पीने पर विवाद है। दिल्ली समेत दूसरे शहरों में प्रदूषण से रोकथाम के लिए अनेक प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लेकिन देश के भविष्य बच्चों को ही डिजिटल प्रदूषण से बचाने वाले मानकों पर अमल नहीं हो रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आंखें तरेरता बांग्लादेश

अपने विदेश दौरों की गिनती बढ़वा कर और सबसे अधिक देशों से वहां का सर्वोच्च सम्मान हासिल करने का रिकार्ड अपने नाम करवाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगे हुए हैं। उनके लिए शायद बड़ी उपलब्धि यही होगी कि कितने राष्ट्राध्यक्षों को उन्होंने झप्पी दी है, कितनों के साथ कार में अकेले सवारी की है और कितनों को पहले नाम से बुलाते हैं। लेकिन मोदी से पहले भारत की विदेश नीति की धमक इस कारण से बनी हुई थी कि वह गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रणेता था, वैश्विक शक्तियों के सामने नवोदित देशों को सम्मान के साथ खड़े होने का आदर्श उसने पेश किया और तीसरी दुनिया के देश भारत को बड़े भाई की तरह देखते थे। पाकिस्तान के साथ तो भारत के रिश्ते हमेशा नरम–गरम रहे, लेकिन पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश, पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार सब पर भारत का रसूख बना हुआ था, जो अब लगभग खत्म हो चुका है। इन सब देशों के साथ संबंध अभी सामान्य हैं, लेकिन जो गर्माहट पहले हुआ करती थी, वो मोदी सरकार के आने के बाद खत्म हो गई है।खास तौर पर बांग्लादेश के साथ तो हमेशा से एक अपनापा रहा है। वहां का मुक्ति संग्राम भारत के कारण सफल हुआ। दोनों देशों का राष्ट्रगान रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है, इस बात पर भी नागरिकों को खुशी होती थी। दोनों देश पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के नुकसान देख चुके हैं।इसके अलावा अविभाजित भारत का हिस्सा होने के कारण सांस्कृतिक, भाषायी, धार्मिक इतिहास की साझेदारी भी रही है। लेकिन अब वही बांग्लादेश भारत को न केवल तोड़ने की धमकी दे रहा है, बल्कि खुलकर पाकिस्तान और चीन के साथ जाते हुए भारत के योगदान की अवहेलना भी कर रहा है।बुधवार को भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमिदुल्लाह को तलब कर ढाका में भारतीय उच्चायोग की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता जताई थी। इसी पर बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदर्न चीफ ऑर्गेनाइजर हसनत अब्दुल्लाह ने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था। इससे पहले अब्दुल्लाह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की धमकी दे चुके हैं। बता दें कि दो महीने में यानी फरवरी 2026 में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे और एनसीपी ने हसनत अब्दुल्लाह को कुमिल्ला–4 से उम्मीदवार बनाया है। इसी कुमिल्ला में अब्दुल्लाह ने भारत विरोधी बातें कहीं, उन्होंने कहा कि भारत के उच्चायुक्त को देश से बाहर निकाल देना चाहिए था क्योंकि वह शेख हसीना को शरण दे रहा है। हम आपका सम्मान करें और आप देखते ही गोली मारने की बात करो, ये सही नहीं है।भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि बांग्लादेश में हाल की कुछ घटनाओं को लेकर कट्टरपंथी तत्वों के झूठे विमर्श को हम पूरी तरह से खारिज करते हैं। हसनत जैसे चरमपंथी और हिंसक विचारधारा वाले लोग और उनके समर्थक अब मोहम्मद यूनुस को समर्थन देने वाली एकमात्र वास्तविक शक्ति बन गए हैं। जिस देश में यूनुस के नेता सार्वजनिक रैलियों में खुलेआम यह कह सकते हैं कि वे एक पड़ोसी देश के उच्चायुक्त को बाहर निकाल देंगे, वहां यह स्पष्ट है कि आम लोग दिन–रात खुद को कितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ऐसे बांग्लादेश में आम नागरिक अब न तो अपने जीवन को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं और न ही अपनी संपत्ति को लेकर यह कठोर वास्तविकता देश में कानून–व्यवस्था और राजनीतिक संयम के पूरी तरह ढह जाने को उजागर करती है। इधर भारत में शरणागत बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजिद जॉय ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए ईमेल इंटरव्यू में कहा है कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार एक इस्लामी शासन स्थापित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि बांग्लादेश में जो अभी स्थिति है, वह भारत के लिए खतरा बढ़ा रही है। अमेरिका में रहने वाले वाजिद ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से पाकिस्तान की बढ़ती कथित कध्रीबी को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा, यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

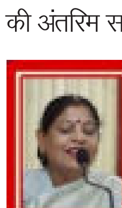

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

नदियाँ सा शीतल रहे,दर्पण जैसा साफ।
मन की गाँठे खोलता, सबको करता माफ।।
सबको करता माफ, हृदय हो जिसका ऐसा।
करते सभी पसंद, शक्ल में प्राणी कैसा।
कहती रचना आज, बीतती कितनी सदियाँ।
प्रभु भी रहें प्रसन्न, शुद्ध हिय शीतल नदियाँ।।

मन की गाँठे खोलकर, करो प्रेम की बात।
काम - क्रोध को त्याग दो, नहीं किसी से घात।।
नहीं किसी से घात, भले ही दुख यह भोगा।
सबसे करना प्रेम, सफल तब जीवन होगा।
कहती रचना आज, कमाओ प्रेम रतन धन।
बैर - भाव की गाँठ, खोलकर साफ करो मन।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास भाग — 5

लेखिका – अतिया नूर

समय पंख लगाकर उड़ता रहा और आज मेरे समीर की तीसरी वर्षगांठ भी आ गई। मैंने और शेखर दोनों ने मिलकर समीर की वर्षगांठ की काफी तैयारियां कीं। बच्चों के साथ उछल– कूद करते, हंसते–खिलखिलाते समीर को देख हम दोनों देर तक बहुत मुस्कुराए और खुश होते रहे और ईश्वर से अपने बच्चे के लिए हजारों दुआ करते रहे...

आज मैं और शेखर अपने साढ़े तीन साल के समीर को स्कूल में दाखिले के लिए लेकर जा रहे हैं। समीर मुझे छोड़ने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है, उसने मुझे जोर से पकड़ रखा है और लगातार रोए जा रहा है, मम्मा ! मुझे छोड़कर मत जाइए३ मम्मा, मम्मा ! लेकिन उसका भविष्य संवारने के लिए छोड़कर तो जाना ही था, सो मैं उसे स्कूल में दाखिल करा के घर लौट आई। मैं भी तो रो रही थी उसके साथ, कैसे रहूंगी दिन भर अकेली? मुझे ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने मेरे शरीर से मेरा दिल निकाल लिया हो, ऐसा लगा जैसे समीर मुझसे कहीं बहुत दूर जा रहा हो, अजब सा दर्द था ये... रोज सुबह उसे तैयार करती, अपने हाथों से उसे खिलाती– पिलाती और स्कूल पहुंचाती। अब धीरे–धीरे हर माँ की तरह मुझे भी अपने बच्चे को स्कूल भेजकर घर में व्यस्त रहने की आदत होने लगी। समीर को स्कूल से लाकर नहलाते– धुलाते, होमवर्क कराते और उसके सभी काम करते–करते दिन कब रात में तब्दील हो जाता, पता ही नहीं चलता।

इन सबके बीच शेखर की अपनी अलग पुरानी कहानी थी। कभी तो वे ठीक रहते, कभी अपने पुराने रंग में नजर आते। घर का माहौल नहीं बदलना था सो नहीं बदला.३. ये दर्द मैं तो उठाती ही थी लेकिन मेरे साथ मेरे बच्चे को भी इन तकलीफों से दो– चार होना पड़ता था, सबसे दुखद प्रसंग तो यही था।

बात– बात पर झिड़की खाते मारपीट की पीड़ा को सहते–सहते और घर के खराब माहौल को देखते–समझते समीर के बालमन पर बुरा असर पड़ने लगा, धीरे–धीरे वो गुमसुम सा रहने लगा, आखिर था तो अभी बच्चा ही, बचपना तो करना ही था उसे। वह शेखर के साथ खेलना चाहता था, उनसे लिपटना चाहता था लेकिन शेखर के ऑफिस से आते ही जब वो पापा–पापा कहकर उनके करीब जाना चाहता तो शेखर चिढ़ जाते, उसे डांट देते, अक्सर मार भी देते और मुझपर बरस पड़ते– मैं थकाहारा जब घर आऊं तब मुझे कोई डिस्टर्ब नहीं किया करे, मुझे आराम करना है।

इतना तो मुझे भी पता था कि लोग घर आकर आराम ही करते हैं लेकिन मैं सोचने पर मजबूर हो जाती कि अगर एक मिनट वो अपने बच्चे को गले लगा लेते तो क्या चला जाता? लेकिन मैं भी तो गलत थी, निःसन्देह सबसे बड़ी गलती तो मेरी ही थी३ समीर मुझसे भी तो खेलने के लिए कहता था, मैं ही कहां समय देती थी उसको, कहां खेलती थी उसके साथ३ कहां निकाल पाती थी शेखर का डर? हमेशा तो यही सोचती रहती थी कि– कोई काम पड़ा रह गया तो शेखर की जलालत झेलनी पड़ेगी, इसी जलालत के डर से अपने बच्चे की मैं भी तो उपेक्षा करती थी।

लेकिन मैं ये जरूर सोचती थी कि– क्या ये दिन फिर कभी लौटकर आएंगे? क्या समीर जब बड़ा हो जाएगा तो उसका बचपन फिर से लौटेगा? क्या मुझे और शेखर को दुबारा अपने बच्चे को बड़े होते देखने की खुशी नसीब होगी ? फिर क्यों नहीं हम इन खूबसूरत पलों को जी भर कर जीते, आखिर क्यों ?

इन सारी परिस्थितियों ने मुझपर इतना बुरा असर डाला कि मैं भी बहुत चिड़चिड़ी सी हो गई, और प्रायः मेरी भी परेशानियों की खीज मेरे समीर पर उतरने लगी, मुझे मेरा बच्चा बहुत प्यारा था लेकिन जब मैं परेशान होती तो कभी– कभी उसे मार बैठती, और बाद में उसे रोता देख खुद भी उसे गले लगाकर रोती, लेकिन मेरा ये व्यवहार समीर को ले डूबेगा, मुझे इस बात का उस समय जरा भी अंदाजा नहीं था। काश ! कि मैं उस समय ही इतनी बड़ी और परिपक्व होती तो शायद जीवन में इतना कुछ तो नहीं घटता, मेरा समीर मुझे यूं छोड़कर कभी नहीं जाता। आज सोचती हूँ तो सिर्फ हाथ मलने के सिवा कुछ नहीं कर पाती...

शेखर की मेरे हंसने–बोलने, उठने– बैठने से लेकर हर काम में दखलअंदाजी और मीनमेख की आदत से मैं बेहद परेशान थी। मैं चाहे मरूं या जियूँ, कितनी भी बीमार रहूँ, मगर घर का हर काम समय पर उसी तरह होना जरूरी था, अगर कपड़े छत पर फैलने हैं तो मुझे हर हाल में छत पर ही फैलाने जाना था, फिर चाहे मेरे पैर ही क्यों न टूटे हों, अक्सर ही जब मुझे अपने बुखार से तपते बदन के साथ, नन्हे से समीर को संभालते हुए शेखर को गर्म रोटियां सेंक कर देनी पड़तीं, तो मेरी आत्मा कराह उठती, क्या यही होता है शादी का मतलब?क्या मेरे सुख– दुख का कभी कोई साथी नहीं होगा? मैं अपनी नम आंखों में हजारों सवाल छुपाए चुपके– चुपके सिसकती रही, सिसकती रही...
..

घर में शांति बनाए रखने के लिए शेखर की बातों को मानने के सिवा मेरे पास कोई चारा नहीं था, लेकिन मेरी सहनशक्ति की भी एक सीमा थी। मैं शेखर की बातें तो मान लेती थी लेकिन इस चक्कर मे मेरा समीर उपेक्षित होता गया, होता गया...हालांकि मैं उसकी देखभाल में कोई कमी नहीं करती थी, बस उसके लिए मेरे पास समय नहीं था।

फिर वही हुआ, जो नहीं होना चाहिए था। घर के एटमॉस्फियर के चलते पहले जो बच्चा उदास और गुमसुम रहता था, हम दोनों की डांट–फटकार और मार खाकर रोता था, धीरे– धीरे उसका रोना गुस्से में तब्दील होने लगा। अक्सर ही उसकी दोनों प्रतिक्रियाएं साथ चलती थीं।अपने ऊपर होने वाले अत्याचार के फलस्वरूप वो खूब रोता और साथ ही सामानों की उठापटक और तोड़फोड़ भी शुरू कर देता। धीरे–धीरे उसका व्यवहार उग्र होने लगा। जो कुछ उसपर बीतती थी प्रतिक्रियास्वरूप वो कभी–कभी दूसरों के साथ भी वैसा ही व्यवहार कर बैठता। अक्सर वो अपने साथ खेलने वाले बच्चों को मारने और धक्का देकर गिराने लगा। स्कूल में भी उसका व्यवहार असंतुलित होने लगा, सो स्कूल से भी उसकी शिकायतें आने लगीं। हालांकि शुरू में वो एक ब्रिलिएंट स्टूडेंट था, अपनी क्लास में वो टॉप करता था, इम्तिहान में सभी सब्जेक्ट में उसके नम्बर हंड्रेड परसेंट होते थे लेकिन अब वो अक्सर ही अपना क्लास वर्क छोड़ने लगा, होमवर्क तो मैं किसी न किसी तरह पूरा करवा देती थी लेकिन मुझे महसूस हो रहा था कि वो अपने दिमाग को सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं बल्कि किसी भी चीज के प्रति एकाग्र नहीं कर पा रहा था। मैं उस समय नहीं मैं

समझ नहीं सकी कि वो ऐसा क्यूँ कर रहा है लेकिन मुझे अब एहसास होता है कि मेरा बच्चा बहुत अधिक तनावग्रस्त था, उसके बालमन पर घर में घटित होने वाली घटनाओं ने जो असर डाला था उससे उसका व्यवहार असंतुलित सा हो गया था, जिसके फलस्वरूप वह गलत प्रतिक्रियाओं का आदी होने लगा था, चूंकि घर में वो किसी को मार नहीं सकता था, तो अपनी कुंठाओं को वो घर से बाहर अपने से कमजोर बच्चों पर निकालने लगा था।

एक बहुत प्यारे से बच्चे के पतन की कहानी का जन्म हो रहा था जिससे मैं और शेखर दोनों ही बेखबर थे। सच ही तो है इस कहानी के परिणाम की भयावहता का अंदाजा उस समय कहां था हमें?

आज मेरी आंखे फिर उस घटना को याद करके देर तक बरसती रहीं। सब कुछ तो याद है, हूबहू उसी तरह, जैसे जो कुछ घटा था। आंखों के सामने अतीत की तस्वीरें चलचित्र की तरह झिलमिल करने लगीं।

स्कूल से समीर के आने के बाद मैं उसे नहला–धुलाकर, खाना खिलाकर सुलाने का प्रयास कर रही थी, मगर वो सोना नहीं चाहता था, शायद उसे नींद नहीं आ रही थी। अचानक समीर ने जोर–जोर से रोना शुरू कर दिया। उसे रोता देख मैं बुरी तरह से घबरा गई। वो अपने सिर को पकड़ कर लगातार रोए जा रहा था। मेरे पूछने पर उसने बताया कि– उसके सिर में बहुत दर्द हो रहा है। मैं बदहवास सी शेखर को फोन करने के लिए दौड़ पड़ी। मैंने शेखर को तुरंत घर आने के लिए कहा। थोड़ी देर में शेखर घर आ गए। समीर दर्द से छटपटा रहा था उसके साथ मैं भी बेतहाशा रो रही थी। समीर की हालत देख शेखर भी बुरी तरह घबरा गए। आस–पास के डॉक्टर को दिखाया गया मगर वो कुछ नहीं समझ पाए, सो हम उसे लेकर अस्पताल रवाना हो गए३.

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

'मिस इंडिया' के बाद भी एक्ट्रेस बनना मुश्किल

फिल्म `हक' की एक्ट्रेस वर्तिका सिंह बोलीं- बहुत रिजेक्शन मिले, लेकिन मैं कभी रुकी नहीं

एक्ट्रेस वर्तिका सिंह ने मॉडलिंग और मिस इंडिया प्रतियोगिताओं के जरिए अपने अभिनय की राह शुरू की। कई ऑडिशन देने के बाद 'हक' फिल्म में काम करने का मौका मिला। इमरान हाशमी और यामी गौतम जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम करके उन्हें प्रेरणा मिली। हाल ही में बातचीत के दौरान वर्तिका सिंह ने बताया कि मिस इंडिया बनने के बाद भी एक्ट्रेस बनने का सफर आसान नहीं था। बहुत रिजेक्शन मिले, लेकिन मैं कभी रुकी नहीं। पेश है वर्तिका सिंह से हुई बातचीत के कुछ प्रमुख अंश.. सवालरू फिल्म 'हक' में काम करने का मौका कैसे मिला था? जवाबरू फिल्म शहकश में काम करने का मौका मुझे कई बार ऑडिशन देने के बाद मिला। शुरुआत में ऑडिशन देने का मन नहीं था, क्योंकि पहले भी कई बार ऑडिशन दिया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ था। फिर भी कोशिश की, और मेरे लिए रास्ते खुल गए। डायरेक्टर से मिलने पर उन्होंने तुरंत कहा कि मैंने सही सायरा ढूंढ ली है, क्योंकि क्योंकि मेरी दिमाग में सायरा की जो छवि थी उसी के हिसाब से तैयार होकर गई थी। सवालरूशूटिंग के दौरान सेट पर कैसा माहौल था, इमरान हाशमी और यामी गौतम के साथ काम करने के कैसे अनुभव रहे? जवाबरू शूटिंग के दौरान सेट का माहौल बहुत अच्छा था। इमरान हाशमी और यामी गौतम के साथ काम करना बहुत आसान और प्रेरणादायक रहा। वे दोनों बहुत ही मेहनती हैं। यामी जी पूरी तैयारी के साथ आती थीं और अपने किरदार में पूरी तरह डूब जाती थीं। इमरान हाशमी एक्टिंग इतनी सरलता से करते हैं कि लगता ही नहीं कि वे एक्टिंग कर रहे हैं। सेट पर दोनों से बहुत कुछ सीखने को मिला।सवालरू आप लखनऊ से हैं, तो बताइए कब लगा कि आपको ग्लैमर वर्ल्ड का हिस्सा बनना है?जवाबरू छोटे शहरों में लोग सोचते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री हमारी दुनिया से अलग है, इसलिए आमतौर पर पेरेंट्स भी डॉक्टर–इंजीनियर बनने को कहते थे। मुझे भी कभी अभिनेत्री बनने का ख्याल नहीं था। मगर मैं फिल्मों के एड और होर्डिंग्स देखती थी और सोचती थी ये लोग कौन होते हैं। जब मैं 12वीं में थी, तो मिस इंडिया शो देखती थी और सोचती थी कि ये लड़कियां कैसे सिलेक्ट होती हैं। एक बार लखनऊ में मिस इंडिया का ऑडिशन चल रहा था, मजे के लिए मैं भी ऑडिशन दे आई। बस ऐसे ही मजाक मजाक में करियर बना लिया। सवालरू जब आपने मिस इंडिया में हिस्सा लिया तो क्या पेरेंट्स को पता चला कि आपके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुल रहे हैं? जवाबरू मिस इंडिया में हिस्सा लेने पर मेरे पेरेंट्स को इस बारे में शुरुआत में पता नहीं चला क्योंकि उनके हिसाब से यह सही करियर नहीं था। जब मेरा नाम अखबार में आया, तो मुझे डर लगा कि पेरेंट्स को पता चल जाएगा। मैंने मम्मी को कुछ नहीं बताया और चुपके से चली गई। बाद में मम्मी को फोन आया कि लोग बधाई दे रहे हैं, पर मैंने कुछ साफ नहीं बताया।जब मुंबई ऑडिशन के लिए जाना पड़ा, तो मम्मी से कहा सिर्फ दो दिन रहकर लौटूंगी। मेरे भाई–बहन ने मेरा पूरा साथ दिया। मिस इंडिया जीतने के बाद पापा को मीडिया वाले मिलने लगे और उन्हें यह बड़ी उपलब्धि समझ आई, तब से वो बहुत सपोर्ट करते हैं। सवालरू मुंबई पहली बार कब आई थीं? मिस इंडिया के लिए कौन सा साल था? जवाबरू मैं पहली बार 2015 में मुंबई आई थी मिस इंडिया के ऑडिशन के लिए। उस साल मैं सेकेंड रनर अप थी। 2019 में मिस इंडिया जीती। 2017 में मॉडलिंग शुरू की, फिर लखनऊ चली गई। दो साल मॉडलिंग की, फिर मिस यूनिवर्स में टॉप 20 में आई। लॉकडाउन के बाद घर गई। 2021–22 से एक्टिंग पर ध्यान दिया। सवालरू उसके बाद फिर जर्नी कैसे आगे बढ़ी? जवाबरू मिस इंडिया बनने के बाद लोगों को लगता था कि एक्टिंग की राह आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं था। मुंबई आ कर हर बार नए से शुरुआत करनी पड़ी। शुरुआत में बहुत सारा प्यार मिला, लेकिन मैं सोचती थी कि आगे क्या करूं, घर लौट जाऊं या न जाऊं। फिर मॉडलिंग के अच्छे मौके मिले और सुपर मॉडल बनना शुरू किया। मॉडलिंग के दौरान एक्टिंग का मन हुआ। कई ऑडिशन दिए, कई बार रिजेक्ट भी हुई, फिर आखिरकार 'हक' में मौका मिला। सवालरू मिस इंडिया बनने के बाद एक्ट्रेस बनने में क्या मुश्किलें आईं? जवाबरू मॉडलिंग और एक्टिंग अलग होती हैं। मॉडलिंग में दिखना अच्छा होना चाहिए, लेकिन एक्टिंग में किरदार निभाने की कला और लुक दोनों जरूरी होते हैं। किस्मत और सही समय भी बहुत मायने रखता है। कई बार अच्छे ऑडिशन मिलने के बाद भी किसी और को चुना जाता है क्योंकि मेरा नाम बहुत बड़ा नहीं था। ऐसा मेरे साथ कई बड़े वेब सीरीज में हुआ। सवालरू कभी लगा कि एक्टिंग सीखनी चाहिए? जवाबरू हां, मैंने कई एक्टिंग वर्कशॉप की हैं। खासकर पॉन्डिचेरी की आदिशक्ति वर्कशॉप में जहां योग के साथ एक्टिंग सिखाई जाती है। मैं हमेशा अपनी एक्टिंग बेहतर बनाती रहती हूं और कभी नहीं सोचती कि अब सब सीख लिया। जब आप सिर्फ टैलेंट और मेहनत से आगे बढ़ते हैं, तो रिजेक्शन आते रहना स्वाभाविक है। ऐसे में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए, बस आगे बढ़ते रहना होता है। सवालरू हौसला भी कई बार टूटा होगा? जवाबरू हौसला टूटना आम बात है, लेकिन असली ताकत इस बात में है कि आप इसे कैसे संभालते हैं। अगर थोड़ी मुश्किल में टूट गए, तो आगे कैसे आगे बढ़ेंगे? मेहनत से मिली चीजें ही सबसे अच्छी लगती हैं। इसलिए काम करते रहिए। सवालरू आपकी फिल्म देखकर आपके पेरेंट्स खुश हुए होंगे?

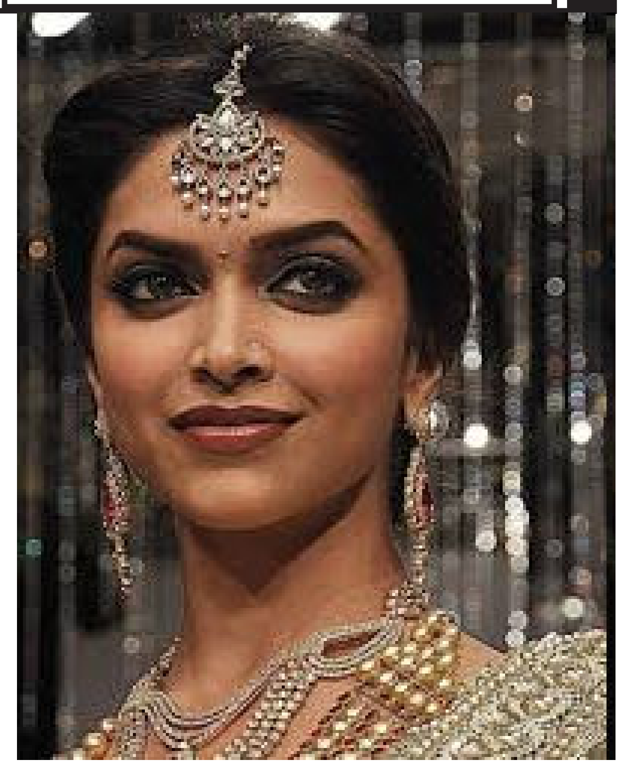

जब दीपिका बनीं मस्तानी: 10 साल बाद भी जहन में ताजा हैं ये 7 आइकॉनिक लुक्स

दस साल बाद भी मस्तानी इसलिए यादों में बसी है क्योंकि दीपिका पादुकोण ने इस किरदार को सिर्फ अभिनय से नहीं, बल्कि अपनी मौजूदगी से जिया। हर फ्रेम में उनकी शांति, शाही गरिमा और गहरी खूबसूरती साफ दिखती थी। दीपिका ने मस्तानी के कपड़े सिर्फ पहने नहीं, बल्कि उन्हें गर्व, ठहराव और स्वाभाविक शाही अंदाज के साथ अपनाया। उनकी स्थिरता बहुत कुछ कहती थी, उनकी नजर में अधिकार झलकता था और उनका संयम हर लुक को बनावटी नहीं, बल्कि सजीव बनाता था। बाजीराव मस्तानी आज भी दृश्यात्मक भव्यता का एक मानक मानी जाती है, और मस्तानी की वेशभूषा हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार कॉस्ट्यूम यात्राओं में से एक है। हर पोशाक ने दीपिका की प्राकृतिक सुंदरता को और निखारा, किरदार में गरिमा, ताकत और भावनात्मक गहराई जोड़ी। पेश हैं मस्तानी के सात शाही लुक्स, जो आज भी मंत्रमुग्ध कर देते हैं–

1. सफेद रंग की शांति

साफ सफेद पोशाक में हल्के सुनहरे काम के साथ दीपिका बेहद दिव्य और सशक्त दिखीं। कम गहनों और सादे कट ने उनके शांत भाव और सुंदर मुद्रा को उभरने दिया। यह लुक मस्तानी के दर्द और दृढ़ निश्चय को शांति से दिखाता है।

2. लाल घूंघट का विद्रोह

गहरे लाल रंग में लिपटी दीपिका में शक्ति और तीव्रता झलकती है। घूंघट मुकुट की तरह चेहरे को घेरता है, जबकि भारी गहने और नथ उनकी रानी जैसी आभा को और मजबूत बनाते हैं। यह रंग उनके व्यक्तित्व में आदेशात्मक असर लाता है।

3. बैंगनी शाही गरिमा

समृद्ध बैंगनी रंग में दीपिका शाही नजाकत की मिसाल बनीं। कीमती रंग, बारीक कढ़ाई और विरासत जैसे गहनों ने उनकी सुंदरता को ऊँचा उठाया। उनका संयम और सहज चाल इस लुक को कालजयी बनाती है।

4. मिंट–ग्रीन की राजसी सादगी

नरम मिंट–ग्रीन रंग, मोतियों और सुनहरे आभूषणों के साथ दीपिका की कोमल सुंदरता उभरती है। बहता कपड़ा उनकी काया को खूबसूरती से ढालता है और शांत भाव इस लुक को शाही ठहराव देते हैं।

5. तलवार और सफेद का संदेश

यह लुक अपनी प्रतीकात्मकता के लिए यादगार है। तलवार के साथ दीपिका की दृढ़ मुद्रा शालीनता और योद्धा–भाव को जोड़ती है। उनका आत्मविश्वास इसे सम्मान, ताकत और स्वाभिमान का प्रतीक बनाता है।

6. दरबार की लाल साड़ी

शाही दरबार के लिए बनी यह गहरी लाल साड़ी दीपिका की भव्य मौजूदगी को और उभारती है। सधा हुआ पल्लू, सीमित गहने और समृद्ध कपड़ा उन्हें एक गरिमामयी, शांत और प्रभावशाली रानी बनाता है।

7. आइकॉनिक सुनहरी 'दीवानी मस्तानी' लुक

सिर से पाँव तक सुनहरा यह लुक सिनेमा के इतिहास में दीपिका की जगह पक्की करता है। सजे हुए लहंगे, मेल खाते गहने और चमकदार बनावट उनकी गरिमा और भावपूर्ण आँखों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। यही वजह है कि बाद में ऑस्कर अकादमी ने भी इस गाने की क्लिप अपने सोशल मीडिया पर साझा की– यह आज भी कालजयी भव्यता की मिसाल है और गाना आज भी आइकॉनिक है। दस साल बाद भी ये लुक्स इसलिए यादगार हैं क्योंकि दीपिका पादुकोण ने हर एक को गर्व, सुंदरता और भावनात्मक गहराई के साथ निभाया। ये सिर्फ कपड़े नहीं थे ये उनके अभिनय का हिस्सा बन गए। मस्तानी के जरिये दीपिका ने भारतीय सिनेमा को शाही ठाठ, नजाकत और ताकत की एक ऐसी दृश्य विरासत दी, जो आज भी प्रेरित करती है, आकर्षित करती है और कभी भुलाई नहीं जा सकती।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान गुरुवार को सऊदी अरब के जेद्दाह में आयोजित हुए रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2025 का हिस्सा बने थे। इस फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की कई बड़ी हस्तियां पहुंची थीं। इस दौरान सलमान ने हॉलीवुड स्टार डॉनी डेप से मुलाकात की है। रेड सी फिल्म फेस्टिवल के ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज से जॉनी डेप और सलमान खान की रेड कार्पेट पर हुई मुलाकात की तस्वीर शेयर की गई है। सलमान खान रेड सी फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड प्रेंजेंटर भी बने। उन्होंने मंच पर दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, शमैं यहां आकर बेहद खुश हूं, रेड सी फिल्म फेस्टिवल में आना एक सौभाग्य है। एक टैलेंटेड एक्टर को अवॉर्ड देना सम्मान की बात है।श इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड एक्टर और रैपर इद्रिस्सा एल्बा को रेड सी ऑननेरी अवॉर्ड प्रेजेंट किया। अवॉर्ड लेते हुए इद्रिस्सा ने कहा कि ये उनके द्वारा अटेंड किया गया, सबसे बेहतरीन फिल्म फेस्टिवल है। ये फिल्म फेस्टिवल दुनिया को रिप्रेजेंट करता है। रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2025 का आयोजन 4 दिसंबर से 13 दिसंबर तक हो रहा है। इस फेस्टिवल में बॉलीवुड ऐश्वर्या राय, कार्तिक आर्यन, आलिया भट्ट और रेखा समेत कई बॉलीवुड स्टार्स भी शामिल हुए हैं।

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान हमेशा सुर्खियों में छाए रहते हैं. फैंस भी सुपरस्टार से जुड़ी हर बात जानने के लिए काफी एक्साइटेड रहते हैं. वहीं सलमान खान ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने ये भी बताया कि उनकी लाइफ बस उनके काम और ट्रैवल से जुड़े कमिटमेंट के इर्द–गिर्द घूमती है. उन्होंने अपने डेली रूटीन के बारे में कहा, षबस घर से शूटिंग, एयरपोर्ट या होटल.ष सलमान ने अपनी लाइफ से जुड़ा चौंकाने वाला खुलासा किया दरअसल गुरुवार को सलमान रेड सी फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए थे. यहां उन्होंने अपनी लाइ और करियर के बारे में कुछ चौंकाने वाली बातों का खुलासा किया. इस सेशन के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं. उन्होंने कहा,षमैंने अपनी मैक्सिमम लाइफ अपने परिवार और दोस्तों के साथ बिताई है, जिनमें से कुछ निकल लिए हैं और अब सिर्फ 4–5 ही बचे हैं जो मेरे साथ लंबे समय से हैं.ष 25–26 साल से बाहर डिनर पर नहीं गए सलमान खान अभिनेता ने आगे कहा, ष25–26 साल हो गए हैं कि मैं कहीं बाहर डिनर पे नहीं गया हूं. शूटिंग से घर, घर से शूटिंग, घर से एयरपोर्ट, एयरपोर्ट से होटल और होटल से यहां. बस इतना ही. यही मेरी जिंदगी है.ष सलमान खान ने आगे कहा, षऔर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता... या तो ये चाहिए के आप घूमो फिरो और ये सब ना हो, ये कुछ ऐसा है जो मैं नहीं चाहता. इतनी इज्जत देते हैं और प्यार देते हैं.. उसके लिए मेहनत करता हूं...बीच बीच में थोड़ा कॉम्प्लेसमेंट हो जाता हूं, लेकिन उसको भी एंजॉय करता हूं।

सूखे नींबू को फेंकने की जगह ऐसे करें रियूज

अगर आपके फ्रिज में रखे नींबू सूख चुके है तो ऐसे में आप उसकी मदद से एक होममेड क्लीनर भी बना सकते हैं। इसके लिए आप सिरे में सूखे हुए नींबू व उसके छिलके को मिलाएं। इससे ना केवल क्लीनिंग बेहतर होती है, बल्कि एक खुशबू भी आती है।

नींबू का इस्तेमाल हम सभी अपनी कई डिशेज में करते हैं। लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि अगर ढेर सारे नींबू एक साथ ले आएं तो इससे वे सूखने लगते हैं। इन सूखे हुए नींबू को डिश में इस्तेमाल करने का मन नहीं होता है, इसलिए हम बिना सोचे-समझे इन्हें बाहर कर देते हैं। जबकि वास्तव में ये सूखे हुए नींबू भी कई तरह से इस्तेमाल किए जा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप सूखे हुए नींबू को किस तरह से रियूज कर सकते हैं-

बनाएं इंफ्यूज्ड वाटर

अगर आपको प्लेन पानी पीना अच्छा नहीं लगता है तो आप सूखे हुए नींबू की मदद से इंफ्यूज्ड वाटर तैयार करें। इसके लिए आप पानी के जार में सूखे नींबू के टुकड़े डालें। साथ ही साथ, आप इसमें अपनी पसंद से कुछ हर्ब्स भी मिलाएं। यह पानी आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में भी मदद करेगा।

बनाएं साइट्रस ऑयल

साइट्रस ऑयल बनाने के लिए सूखे हुए नींबू या फिर उसके सूखे छिलके को जैतून के तेल के साथ मिलाएं। आप इसे सलाद के लिए ड्रेसिंग या फिर मीट और सब्जियों के लिए मैरिनेड के रूप में उपयोग करें।

बनाएं होममेड क्लीनर

अगर आपके फ्रिज में रखे नींबू सूख चुके है तो ऐसे में आप उसकी मदद से एक होममेड क्लीनर भी बना सकते हैं। इसके लिए आप सिरे में सूखे हुए नींबू व उसके छिलके को मिलाएं। इससे ना केवल क्लीनिंग बेहतर होती है, बल्कि एक खुशबू भी आती है।

करें कॉकटेल गार्निश

अपने कॉकटेल को गार्निश करने के लिए आप सूखे नींबू की स्लाइस का इस्तेमाल कर सकते है। वे आपकी ड्रिंक को ना केवल देखने में अट्रैक्टिव लगती है, साथ ही साथ इससे उनका टेस्ट भी काफी अच्छा हो जाता है।

करें चॉपिंग बोर्ड की क्लीनिंग

चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल यूं तो हम सभी हर दिन करते हैं, लेकिन अक्सर उसकी क्लीनिंग पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देते हैं। जिसके कारण चॉपिंग बोर्ड जल्द की गंदा नजर आता है। ऐसे में उसे दोबारा अच्छी तरह क्लीन करने के लिए सूखे हुए नींबू का इस्तेमाल करें। आपको बस इतना करना है कि आप सूखे हुए नींबू को बीच में से काट लें। फिर उसे चॉपिंग बोर्ड पर रब करते हुए क्लीन करें।

क्रिसमस बनाना है स्पेशल तो परिवार के साथ घूम आएं ये 5 प्लेस

क्रिसमस आने में कुछ ही दिन बचे हैं ऐसे में इस दौरान कई लोग परिवार के साथ वेकेशन्स पर जाना पसंद करते हैं। कड़कड़ाती ठंड में सभी को ऐसी जगहों की तराश रहती हैं जहां वह पूरे परिवार के साथ क्रिसमस का मजा ले सकें। एक तो दिसंबर महीने में मौसम भी बहुत अच्छा होता है और इसके अलावा क्रिसमस पर लॉन्ग वीकेंड भी इस बार आ रहा है। ऐसे में यदि आप भी क्रिसमस की छुट्टियां मनाने के लिए देश की बेहतरीन जगहों की तराश में हैं तो आज आपको कुछ ऐसे देश बताते हैं जहां जाकर आप अपनी वेकेशन्स को और भी खास बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में....

श्रीनगर

कश्मीर के श्रीनगर में जाकर आप क्रिसमस का ओकेजन और भी खास बना सकते हैं। यह जन्नत का छोटा रुप माना जाता है। सर्दियों की बर्फबारी के दौरान यहां पर चारों और सफेद चादर सी फैल जाती है। वहीं धूप वाली दोपहर के लिए आप श्रीनगर के पास गुलमर्ग की सैर कर सकते हैं। गुलमर्ग स्कीइंग एक्टिविटी के लिए परफेक्ट प्लेस साबित होती है। श्रीनगर में क्रिसमस के आस–पास एक शीतकालीन कार्निवल भी होता है जो उत्सव को और भी खास बनाता है।

बड़ोग

हिमाचल प्रदेश के ऑफबीट डेस्टिनेशन्स में से एक बडोग आपके लिए परफेक्ट प्लेस साबित हो सकती है। दिसंबर महीने में यहां पर पर्यटकों की काफी भीड़ होती है क्रिसमस के दौरान यहां पर काफी बर्फबारी भी होती है। क्रिसमस और न्यू ईयर मनाने के लिए आप इस शहर की सैर कर सकते हैं। बड़ोग का रेलवे स्टेशन काफी फेमस है। इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल में भी शामिल किया है।

मुन्नार

क्रिसमस के आस–पास आप केरल के मुन्नार की सैर भी कर सकते हैं। यहां पर मध्यम ठंड होती है ऐसे में यदि आप घूमने के लिए जगहें तराश कर रहे हैं तो यहां के फेमस चाय बागानों में घूमते हुए दिन बिता सकते हैं। केरल में क्रिसमस का शानदार जश्न मनाया जाता है। अधिक अतरंग क्रिसमस उत्सव में यदि आप भाग लेने के लिए आप जहां पर कुछ दिनों के लिए स्टे कर सकते हैं।

शिलौंग

मेघालय के उत्तर–पूर्वी शहर शिलौंग में भी क्रिसमस का सेलिब्रेशन काफी मशहूर है। यहां पर ईसाईयों की काफी आबादी रहती है ऐसे में यह लोग बड़ी धूमधाम के साथ ईसा मसीह के जन्मोत्सव का जश्न मनाते हैं। क्रिसमस में शिलौंग की गलियां, चर्च और घरों की सुंदरता देखने वाली होती है।

औली

उत्तराखंड का औली एक पॉपुलर टूरिस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है। इसे भारत का मिनी स्विटजरलैंड भी कहते हैं। सर्दियों के मौसम में जहां पर काफी बर्फबारी होती है। चारों तरफ बर्फ की बिछी चादर यहां की सुंदरता दस गुणा बढ़ा देती है। ऐसे में यदि आप भी क्रिसमस पर बर्फ के सुंदर नजारों का आनंद लेना चाहते हैं तो औली की सैर कर सकते हैं।

गलत समय पर लेंगे विटामिन्स और सप्लीमेंट्स तो नहीं मिलेगा कोई फायदा

विटामिन्स और मिनरल्स शरीर को सही तरह से काम करने में मदद करते हैं। वैसे तो यदि व्यक्ति अच्छी डाइट ले उसे पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स मिल जाते हैं परंतु यदि व्यक्ति सही डाइट न ले तो शरीर में इसकी कमी भी हो सकती है। कुछ लोग विटामिन्स की कमी पूरी करने के लिए इनके सप्लीमेंट्स का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि आप भी सप्लीमेंट्स का सेवन करते हैं तो आज आपको बताते हैं कि किस समय किस विटामिन्स के सप्लीमेंट्स का सेवन करना चाहिए। आइए जानते हैं....

विटामिन डी

एक्सपर्ट्स की मानें तो इसे विटामिन–डी और ओमेगा 3 के सप्लीमेंट्स सुबह ब्रेकफास्ट के साथ लेने फायदेमंद होते हैं। विटामिन डी लेने के लिए सूरज की रोशनी सही तरीका होता है। इसमें कई प्रोटीन और एंजाइम मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं और यह कई तरह की बीमारियों को भी रोकने में मदद करते हैं।

विटामिन बी 12

यदि आप विटामिन–बी12 के सप्लीटमेंट्स लेते हैं तो सुबह उठते ही आप इनका सेवन करना फायदेमंद रहेगा। विटामिन–बी 12 की कमी होने पर शरीर को भारी नुकसान हो सकता है। इसके अलावा शरीर में रेड ब्लड सेल्स, डीएनए बनाने में, दिमाग की तंत्रिका कोशिकाओं को मजबूत बनाने में भी यह विटामिन मदद करता है।

कैल्शियम

कैल्शियम के सप्लीमेंट्स का सेवन आप नाश्ते के बाद कर सकते हैं। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

आयरन

आयरन के सप्लीमेंट्स का सेवन आप ब्रेकफास्ट के दो घंटे के बाद कर सकते हैं।

मल्टीविटामिन्स

यदि आप किसी भी तरह के मल्टीविटामिन्स सप्लीमेंट्स ले रहे हैं तो उनका सेवन आप दोपहर के खाने के बाद कर सकते हैं।

विटामिन–ई और मैग्नीशियम

विटामिन–ई और मैग्नीशियम के सप्लीमेंट्स का सेवन आप रात में बेड पर जाने से पहले कर सकते हैं।

तेजी से लंबे होंगे बाल, बस अदरक का ऐसे करें इस्तेमाल

अदरक की मदद से हेयर मास्क भी तैयार किया जा सकता है। इसके लिए ताजा अदरक को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और एक चम्मच जैतून तेल या नारियल तेल मिक्स करें। अब इसे अपने बालों व स्कैल्प पर लगाएं।

बालों की केयर करने और उनकी बेहतर ग्रोथ के लिए हम सभी कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन नेचुरल इंग्रीडिएंट्स पर ध्यान नहीं देते हैं। इन्हीं इंग्रीडिएंट्स में से एक है अदरक। अदरक एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, यह स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है, जिससे हेयर ग्रोथ में मदद मिलती है। अदरक को एक नहीं, बल्कि कई अलग–अलग तरीकों से हेयर केयर रूटीन में शामिल किया जाता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं–

करें स्कैल्प मसाज

बालों की ग्रोथ के लिए अदरक को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें। अब इस रस को नारियल तेल या जोजोबा तेल के साथ मिक्स करें। आप तैयार मिश्रण को स्कैल्प पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। करीबन आधे घंटे बाद शैम्पू से हेयर वॉश करें।

अदरक हेयर मास्क

अदरक की मदद से हेयर मास्क भी तैयार किया जा सकता है। इसके लिए ताजा अदरक को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में एक चम्मच शहद और एक चम्मच जैतून तेल या नारियल तेल मिक्स करें। अब इसे अपने बालों व स्कैल्प पर लगाएं। करीबन आधे घंटे बाद शैम्पू से हेयर वॉश करें।

अदरक से करें रिंस

एक कप अदरक की चाय बनाएं और इसे ठंडा होने दें। अब अपने बालों को शैम्पू करने के बाद उन्हें रिंस करने के लिए अदरक की चाय का उपयोग करें। चाय से अपने स्कैल्प पर मालिश करें और इसे कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें। अंत में, अपने बालों को पानी से अच्छी तरह धो लें।

अदरक और एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आपकी स्कैल्प संसेटिव है तो ऐसे में आपको अदरक के रस और एलोवेरा जेल को मिक्स करना चाहिए। अब आप इस मिश्रण को अपनी स्कैल्प और बालों पर लगाएं। माइल्ड शैम्पू से धोने से पहले इसे 30 मिनट तक लगा रहने दें। एलोवेरा की मदद से आपकी स्कैल्प की नमी बनी रहती है और साथ ही साथ उसे ठंडक भी मिलती है।

संक्षिप्त

रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक पर 62 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

भारतीय रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक पर बुनियादी बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खाते, बैंक प्रतिनिधियों और ऋण सूचना कंपनियों से जुड़े नियमों का पालन न करने के लिए 61.95 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह जुर्माना 11 दिसंबर, 2025 के एक आदेश में लगाया गया था। रिजर्व बैंक के अनुसार, यह जुर्माना बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच – बुनियादी बचत बैंक जमा खाता और बैंक प्रतिनिधियों (बीसी) द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का दायरा पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी कुछ निर्देशों का पालन न करने और ऋण सूचना कंपनी कानून, 2006 (सीआाईसी नियम) के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक का निगरानी आकलन (आईएसई 2024) के लिए वैधानिक निरीक्षण 31 मार्च, 2024 तक उसकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था। जांच के दौरान, रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक ने कुछ ऐसे ग्राहकों के दूसरे बीएसबीडी खाते खोले, जिनके पास पहले से ही बैंक में ऐसे खाते थे। इसके अलावा, बैंक ने बैंक प्रतिनिधियों के साथ ऐसी गतिविधियों को करने के लिए एक समझौता किया, जो गतिविधियों के दायरे में नहीं आती हैं और कुछ उधारकर्ताओं के संबंध में ऋण सूचना कंपनियों (सीआईसी) को गलत जानकारी भी दी। रिजर्व बैंक ने कहा कि बैंक के नोटिस के जवाब और उसके द्वारा दिए गए अतिरिक्त जानकारियों पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक के खिलाफ निम्नलिखित आरोप सही पाए गए, जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाना जरूरी था।

दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया : विदेश मंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में उल्लेखनीय बदलाव आया है तथा दुनिया में शक्ति एवं प्रभाव के कई नए केंद्र उभरे हैं। जयशंकर ने पुणे में 'सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड विश्वविद्यालय) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''कोई भी देश, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सभी मुद्दों पर अपनी इच्छा नहीं थोप सकता।'' उन्होंने कहा, ''इतना ही नहीं, इसका यह भी मतलब है कि अब देशों के बीच स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा है जो अपने आप में एक संतुलन पैदा करती है।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र उभरे हैं।'' जयशंकर ने कहा कि शक्ति की अवधारणा के भी कई आयाम हैं– जैसे व्यापार, ऊर्जा, सैन्य क्षमता, संसाधन, प्रौद्योगिकी एवं प्रतिभा और इसी कारण यह बेहद जटिल है। उन्होंने कहा, ''यह समझना भी जरूरी है कि वैश्विक शक्तियां अब सर्वव्यापी होने में सक्षम नहीं रहीं।'' विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण ने हमारे सोचने और काम करने के तरीके को मूल रूप से बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''हमारी जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को यदि प्रौद्योगिकी के साथ कदम मिलाकर चलना है तो उसे व्यापक और आधुनिक विनिर्माण क्षमता विकसित करनी होगी।

भारत–ईयू व्यापार समझौता : पीयूष गोयल आठ जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल प्रस्तावित व्यापार समझौते को गति देने मकसद से अगले साल आठ जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे। इस दौरान वह यूरोपीय संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यापार मामलों के आयुक्त मारोस सेफकोविक से बातचीत करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दोनों पक्षों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। दो दिवसीय (आठ–नौ जनवरी) यात्रा के दौरान गोयल सेफकोविक से मुलाकात करेंगे। अधिकारी ने बताया, मंत्री सात जनवरी को लिशटेंस्टाइन का दौरा करेंगे और फिर आठ और नौ जनवरी को व्यापार वार्ता के लिए ब्रसेल्स में रहेंगे। यह यात्रा भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत के एक महत्वपूर्ण चरण में हो रही है, क्योंकि दोनों पक्ष जल्द से जल्द एक व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को मुकाम पर पहुंचाने के प्रयासों को तेज कर रहे हैं।

निफ्टी और सेंसेक्स में चार दिन बाद तेजी, वैश्विक संकेतों से बाजार को सहारा

घरेलू शेयर बाजार में हल्की राहत देखने को मिली और चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट का सिलसिला टूट गया है। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों के बाद निवेशकों का रुख सुधरा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, निफ्टी 50 करीब 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966 के स्तर पर बंद हुआ है, जबकि बीएसई सेंसेक्स भी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 84,929 के आसपास पहुंच गया है। बता दें कि व्यापक बाजार में हालांकि ज्यादा हलचल नहीं रही है। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक पूरे हफ्ते लगभग सपाट रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक फिलहाल बड़े संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेशकों की वापसी और रुपये में स्थिरता से दबाव कुछ कम हुआ है। अरिहंत कैपिटल मार्केट्स की संस्थागत कारोबार प्रमुख अनीता गांधी के मुताबिक, हालात अब पहले से बेहतर दिख रहे हैं, लेकिन जापान के केंद्रीय बैंक की नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है। गौरतलब है कि बैंक ऑफ जापान ने शुक्रवार को ब्याज दरें बढ़ाकर तीन दशक के उच्च स्तर पर पहुंचा दी हैं और आगे भी सख्ती के संकेत दिए हैं, जिससे येन कैरी ट्रेड को लेकर चिंता बनी हुई है। इस बीच विदेशी निवेशकों ने लगातार दूसरे सत्र में भारतीय शेयरों में खरीदारी की है और रुपया भी तीसरे दिन मजबूत हुआ है। वहीं अमेरिका में नवंबर महीने की महंगाई दर अनुमान से कम, करीब 2.7 प्रतिशत रही है, जिससे यह उम्मीद बढ़ी है कि फेडरल रिजर्व अगले साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इसका असर एशियाई बाजारों पर भी दिखा, जहां व्यापक सूचकांक में करीब 0.7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित, गिल–जितेश बाहर; ईशान और रिंकू की वापसी

मुंबई। गत चौंपियन भारत सूर्यकुमार यादव की अगुआई में अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगा। अजीत अगरकर की अगुआई वाली सीनियर राष्ट्रीय पुरुष चयन समिति ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक में टीम का चयन किया गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली टी20 सीरीज में भी यही टीम खेलेगी।

खिताब बचाने उतरेगा भारत

भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा। अब तक कोई भी टीम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव नहीं कर सकी है, ऐसे में टीम इंडिया के पास घरेलू जमीन पर यह तिलिस्म तोड़ने का सुनहरा अवसर होगा।

गिल का नाम शामिल नहीं, ईशान की वापसी

भारत ने टी20 विश्व कप के लिए जो टीम चुनी है उसमें शुभमन गिल का नाम शामिल नहीं है। गिल अभी तक टीम के उपकप्तान थे, लेकिन अब ये जिम्मेदारी एक बार फिर अक्षर पटेल को सौंपी गई है। गिल टी20 में अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे थे। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है। ईशान भारत के लिए आखिरी बार 28 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे। यह उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी था। ईशान इसके बाद दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चुने गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। दौरे के बीच में ईशान वापस आ गए थे। घरेलू क्रिकेट की जगह आईपीएल को तरजीह देने के विवाद के कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन अब दो साल बाद उनकी टीम में वापसी हुई है। दूसरी ओर, रिंकू एशिया कप का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए मौका नहीं मिला था।

अक्षर होंगे उपकप्तान

शुभमन गिल की जगह अक्षर पटेल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया है। अक्षर इससे पहले भी टी20 में उपकप्तान की भूमिका निभा चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि ईशान किशन की टीम में वापसी हो गई है। ईशान किशन ने हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में 101 रन की पारी खेली थी। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनका बल्ला जमकर चला था। हालांकि, ईशान के शामिल होने से जितेश शर्मा टीम में जगह नहीं बना पाए हैं और उन्हें बाहर होना पड़ा है।

संजू होंगे विकेटकीपर

टीम का एलान करते वक्त अजीत अगरकर ने बताया कि संजू सैमसन विकेटकीपर होंगे। गिल के बाहर होने से अब ये तय हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने उतरेंगे। सैमसन और अभिषेक की सलामी जोड़ी काफी सफल रही है और ऐसा ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 में भी देखने मिला था।

कोई स्टैंडबाई खिलाड़ी नहीं

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस बात की पुष्टि की है कि टी20 विश्व कप और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कोई स्टैंडबाई खिलाड़ी नहीं होगा। स्टैंडबाई खिलाड़ी नहीं रखने का कारण स्पष्ट है कि टूर्नामेंट भारत में ही हो रहा है। इससे पहले, 2024 के लिए टी20 टीम घोषित करते वक्त भारत ने ट्रेविलिंग रिजर्व रखे थे।

गैर–कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव्स की समीक्षा के लिए कार्य समूह का गठन करेगा सेबी, बोले तुहिन कांत पांडेय

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने गैर–कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव्स खंड की समीक्षा के लिए एक कार्य समूह गठित करने की योजना बनाई है। सेबी के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को यह जानकारी दी। कमोडिटी व कैपिटल पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई) के 11वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए, पांडेय ने कहा कि इस कार्य समूह की अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। सेबी प्रमुख ने बताया कि नियामक भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार में बैंकों और बीमा कंपनियों की भागीदारी को सक्षम बनाया जा सके। उन्होंने कहा, संस्थागत भागीदारी बढ़ने से बाजार में लिक्विडिटी आएगी, इससे यह हेजिंग के उद्देश्यों के लिए और अधिक आकर्षक बन जाएगा। पांडेय ने साफ किया कि सभी हितधारकों के साथ उचित परामर्श के बाद ही गैर–कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव खंड की समीक्षा के लिए यह नया समूह बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस कार्य समूह को बहुत जल्द अधिसूचित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सेबी ने कृषि और कमोडिटी डेरिवेटिव्स पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा करने के उपायों का सुझाव देने के लिए पहले ही कार्य समूहों का गठन कर दिया है। ये विशेषज्ञ समूह इस बात की जांच कर रहे हैं कि

क्या मार्जिन, पोजीशन लिमिट और डिलीवरी व निपटान तंत्र को विनियमित करने वाले मौजूदा ढांचे को बाजार की अखंडता से समझौता किए बिना और बेहतर बनाया जा सकता है। संस्थागत भागीदारी के अलावा, सेबी अध्यक्ष ने कराधान से संबंधित बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता के बारे में भी बताया।

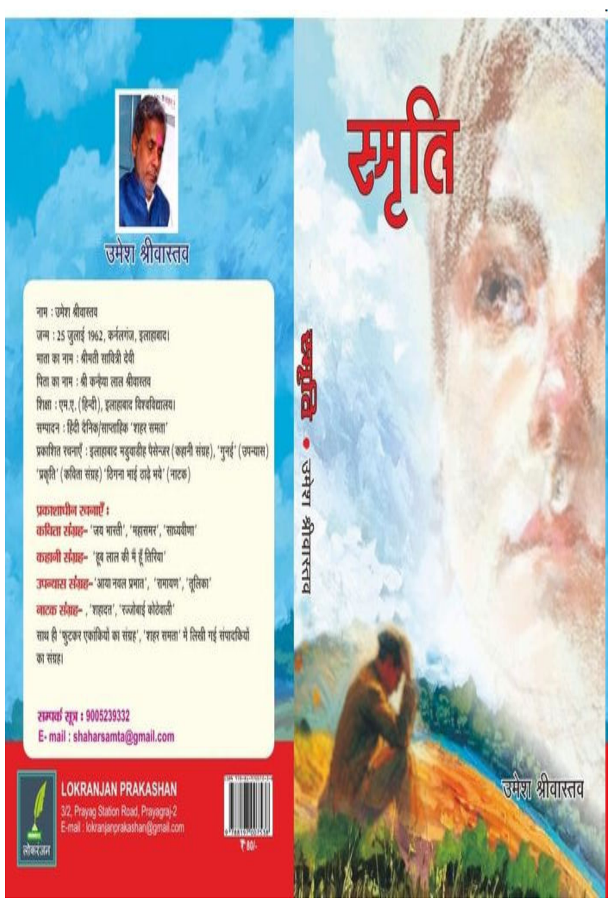

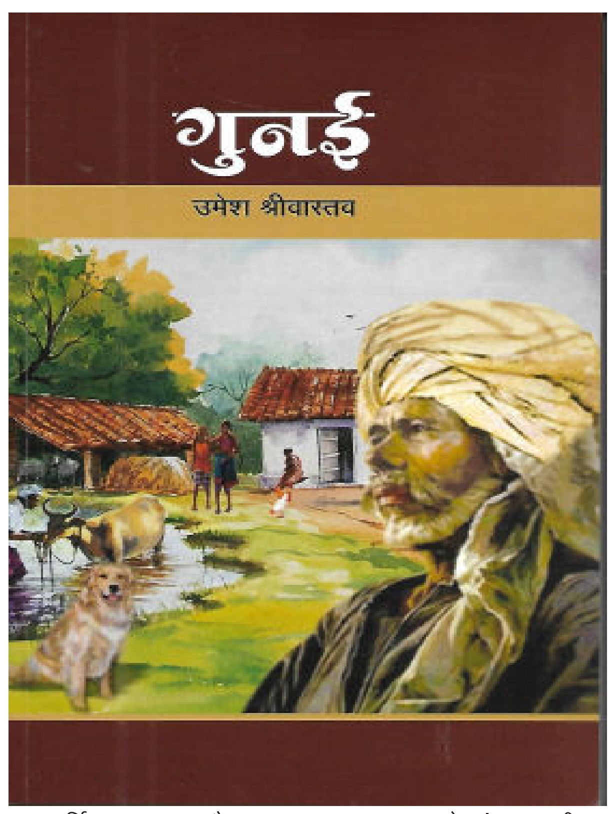

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

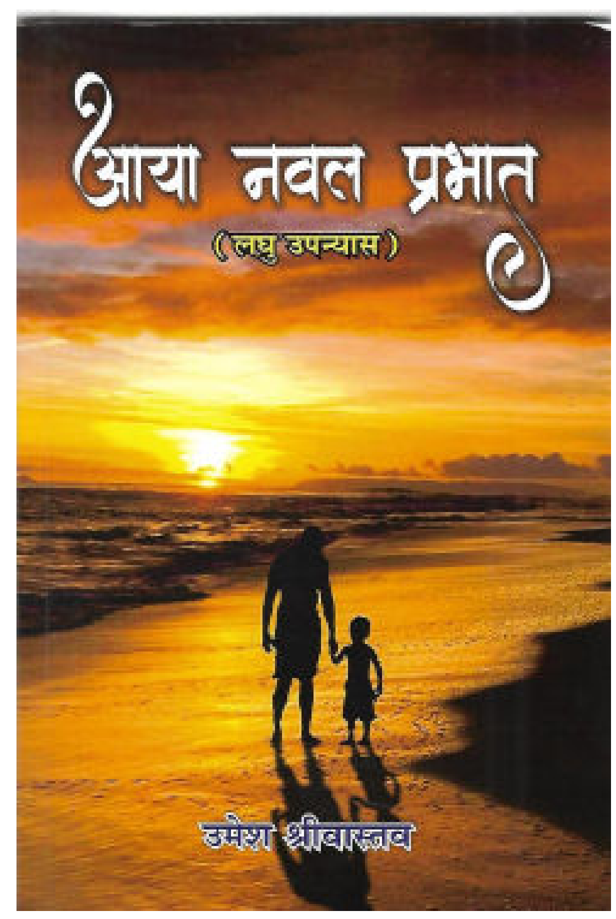

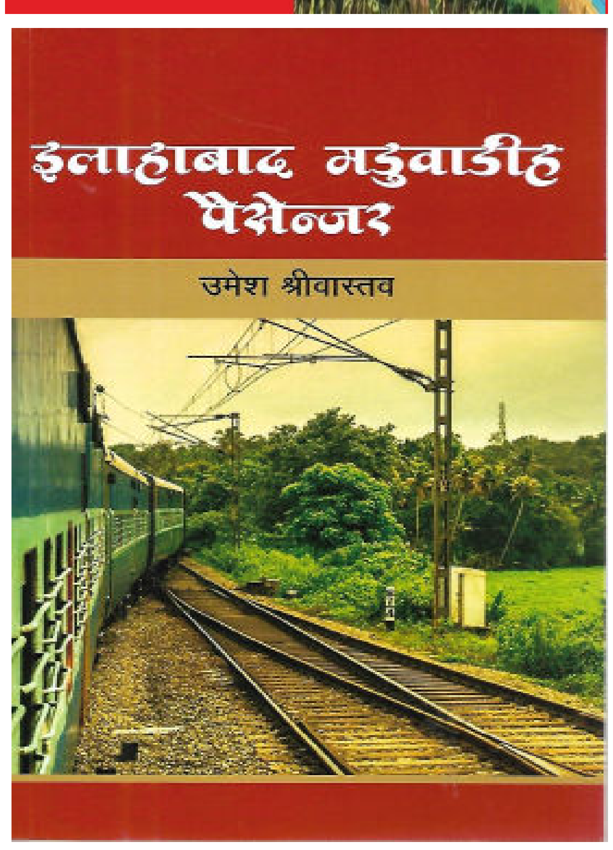

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

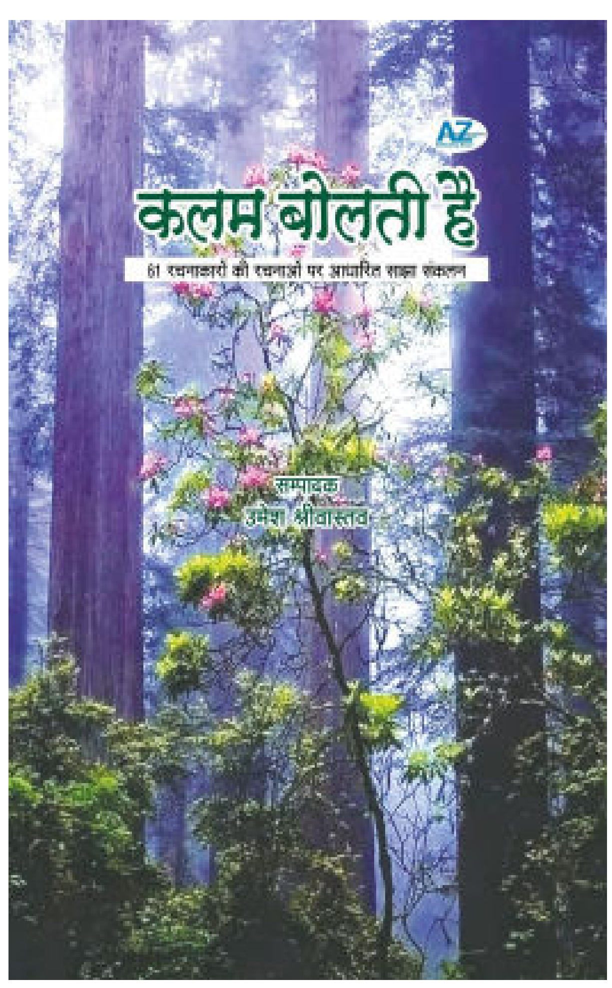

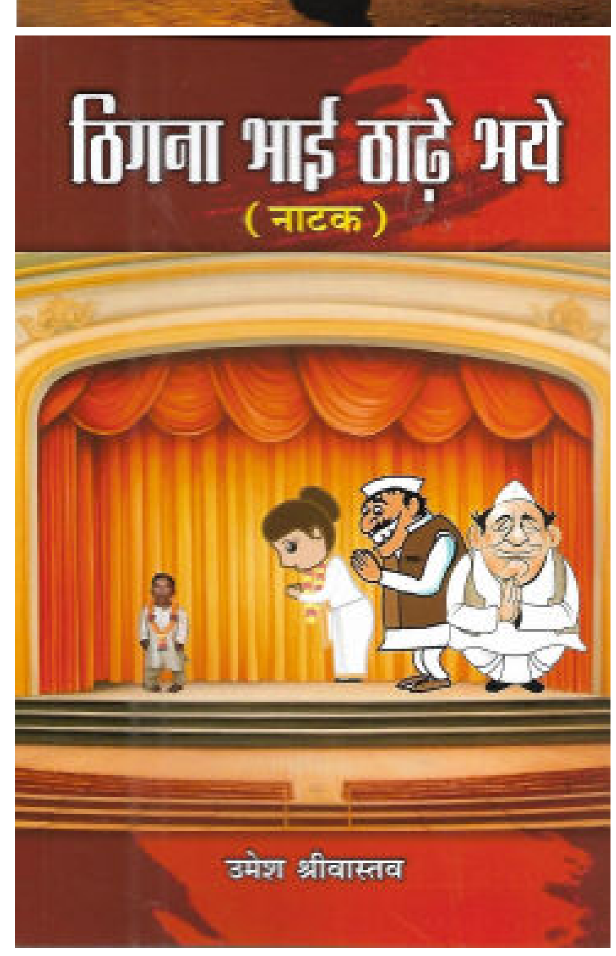

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

भारत विरोधी उस्मान की हत्या पर ट्रंप ने जो किया, मोदी भी हैरान!

बांग्लादेश के छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद एक बार फिर से पूरे देश में हिंसा भड़क उठी है। बांग्लादेश के अलग–अलग हिस्सों में आगजनी, लूटपाट और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही है। कट्टरपंथियों की भीड़ ने मीडिया दफ्तरों, हसीना समर्थक नेता और हिंदुओं के घरों को फूंकना शुरू कर दिया है। भारतीय प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया जा रहा है। चटगांव में भारतीय उच्च आयोग पर पत्थरबाजी और बोतलें फेंकी गई। भारत विरोधी नारे लगाए जा रहे हैं। यह नहीं बल्कि इसी बीच एक दीपपू चंद्र नाम के हिंदू युवक को भीड़ ने पहले तो जमकर पीटा फिर उसे पेड़ से लटका कर जिंदा जला दिया। बांग्लादेश में भड़की हिंसा उस्मान हादी की हत्या के जवाब में हो रही है। उस्मान हादी वही जिहादी था जिसने जुलाई अगस्त में पाकिस्तान के इशारों पर शेख हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन खड़ा किया था। इसने ही इंकलाब मंच नाम का एक संगठन खड़ा किया था। जिसने शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट करा आया और कई हिंदुओं का खून बहाया। यह वही उस्मान हादी था जिसकी ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा तैयार करने में बड़ी भूमिका थी। वो नक्शा जिसमें भारत के हिस्से को बांग्लादेश में दिखाया गया था। इसीलिए अब उसकी हत्या को लेकर कट्टरपंथी भड़के हुए हैं। दंगाई भीड़ के साथ ही यूनुस यह दावा कर रहा है कि हादी की हत्या करके हमलावर भारत भाग गए हैं। लेकिन अभी तक ना तो मोहम्मद यूनुस की सरकार ने और ना ही आरोप लगाने वाले दूसरे जिहादियों ने इन दावों को सही साबित करने के लिए कोई भी पुख्ता सबूत पेश नहीं किया है। भारत ने बांग्लादेश के नेताओं की तरफ से लगाए जा रहे इन सभी फर्जी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को तख्तापलट कराने वाले उस्मान हादी की हत्या के बाद अमेरिका ने जो किया है वो भारतीयों का खून खोला देगा। दरअसल कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले हिंदू युवक को जिस तरह से कट्टरपंथियों की भीड़ ने जिंदा जलाकर मारा उस पर अमेरिका या ट्रंप की ओर से इन जिहादियों के खिलाफ एक शब्द भी नहीं निकला और ना ही इस खौफनाक हत्या की निंदा की गई। लेकिन अब जब भारत विरोधी और हसीना विरोधी की हत्या हो गई है तो अमेरिका उसके लिए आंसू बहाने आ गया है। दरअसल हादी की मौत पर अमेरिका के दूतावास ने उसके परिवार और समर्थकों से दुख जताया। साथ ही अमेरिका के दूतावास की ओर से हादी के जनाजे में शामिल होने की भी बात कही गई है। अब आप समझ सकते हैं कि अमेरिका किस तरह से बांग्लादेश में अपना दोहरा चरित्र दिखा रहा है। । एक हिंदू युवक को मुस्लिम भीड़ जिंदा जलाकर मार देती है। उस पर अमेरिका कुछ नहीं बोलता और एक जिहादी के लिए किस तरह हमदर्दी दिखाई जा रही है।

वहशी भीड़ का तांडव, हिंदू युवक की सरेआम लिंचिंग, अब 7 हुए गिरफ्तार

बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक हिंदू युवक की पीट–पीटकर हत्या के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को यह जानकारी दी। युनुस प्रशासन ने पीड़ित की पहचान 27 वर्षीय सनातन हिंदू दीपू चंद्र दास के रूप में की है। युनुस ने एक पोस्ट में कहा, ष्रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मयमनसिंह के बलुका में सनातन हिंदू युवक दीपू चंद्र दास (27) की पीट–पीटकर

हत्या के मामले में सात लोगों को संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया है। बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद लिमोन सरकार (19), मोहम्मद तारेक हुसैन (19), मोहम्मद मानिक मिया (20), इरशाद अली (39), निजुम उद्दीन (20), आलमगीर हुसैन (38) और मोहम्मद मिराज हुसैन अकॉन (46) शामिल हैं। यूनुस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां इलाके में आरएबी इकाइयों की समन्वित कार्रवाई के बाद हुईं। उन्होंने कहा कि आरएबी–14 ने विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर उपरोक्त संदिग्धों को गिरफ्तार किया। यह भीड़ द्वारा की गई हत्या पिछले साल के छात्र नेतृत्व वाले जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता और इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मृत्यु के बाद फैले व्यापक अशांति के बीच हुई। हादी का निधन गुरुवार को सिंगापुर के एक अस्पताल में हुआ, जहां 12 दिसंबर को ढाका में नकाबपोश बंदूकधारियों द्वारा सिर में गोली मारे जाने के बाद उनका इलाज चल रहा था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मयमनसिंह में एक हिंदू व्यक्ति की कथित पीट–पीटकर हत्या की कड़ी निंदा की और संयम बरतने की अपील दोहराई। यूनुस प्रशासन द्वारा जारी एक बयान में सरकार ने कहा मयमनसिंह में हुई उस घटना की हम घोर निंदा करते हैं जिसमें एक हिंदू व्यक्ति को पीट–पीटकर मार डाला गया। नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। इस क्रूर अपराध में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हादी को शहीद बताते हुए सरकार ने लोगों से हिंसा, उकसावे और नफरत को त्यागने का आग्रह किया।

तालिबान की बर्बरता का नया शिकार बना एरियाना सिनेमा, बुलडोजर से सिनेमाई स्मृति मिटाई गयी

काबुल की सांस्कृतिक पहचान माने जाने वाले ऐतिहासिक 'एरियाना सिनेमा' को अब जमींदोज़ किया जा रहा है। हम आपको बता दें कि दशकों तक काबुल के फिल्म प्रेमियों की धड़कन रहा यह सिनेमा अब एक शॉपिंग मॉल के लिए उजाड़ा जा रहा है। मीडिया में सामने आये दृश्यों में देखा गया कि बुलडोज़र एरियाना की दीवारों को तोड़ रहा था। 1960 के दशक में बना एरियाना सिनेमा अफगानिस्तान के सांस्कृतिक इतिहास का अहम स्तंभ रहा है। 1992 से 1996 के बीच चले भीषण गृहयुद्ध में इसे लूटा गया और लगभग नष्ट कर दिया गया था। लेकिन 2004 में फ्रांस के नेतृत्व में हुए एक पुनर्निर्माण प्रयास के बाद यह फिर से खुला और काबुल की सांस्कृतिक जिंदगी में नई जान फूंकी गई। हालांकि, 2021 में तालिबान की वापसी के साथ ही अफगानिस्तान की सांस्कृतिक दुनिया पर अंधकार छा गया। तालिबान की इस्लामी क़ानून की कठोर व्याख्या के तहत फिल्मों, संगीत और अन्य मनोरंजन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। एरियाना सिनेमा को कभी–कभार तालिबानी प्रचार फिल्में दिखाने के लिए इस्तेमाल किया गया, लेकिन आखिरकार इसे पूरी तरह बंद कर दिया गया। गुरुवार को सिनेमा स्थल पर लगे एक बैनर में लिखा था कि यहां एक आधुनिक बाजार बनाया जाएगा। लेकिन इस तथाकथित आधुनिकता ने काबुल के नागरिकों के दिल तोड़ दिए हैं। 65 वर्षीय एक काबुल निवासी महिला ने मीडिया से कहा कि एरियाना सिनेमा के टूटने की खबर ने मेरा दिल चकनाचूर कर दिया। हमारी इससे जुड़ी बहुत सारी अच्छी यादें थीं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद यूएस ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के खिलाफ हमले शुरू किए

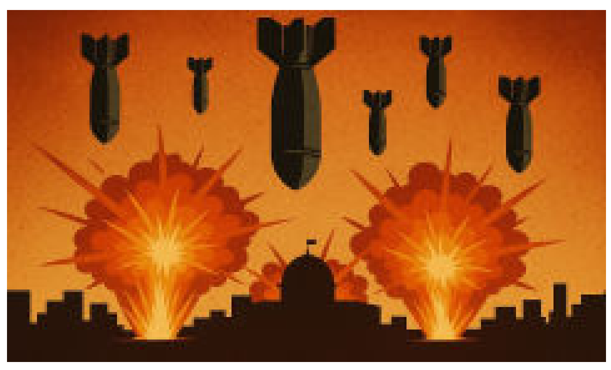

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने लगभग एक सप्ताह पहले हुए एक हमले के प्रतिशोध में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों और उनके ठिकानों को ''नष्ट'' करने के लिए शुक्रवार को सीरिया में सैन्य हमले शुरू किए। करीब एक सप्ताह पहले घात लगाकर किए गए हमले में दो अमेरिकी सैनिक और एक अमेरिकी दुभाषिया मारे गए थे। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने ''बड़े पैमाने पर'' हमला किया जिसमें मध्य सीरिया के उन इलाकों में 70 ठिकानों को निशाना बनाया गया जहां आईएस का ढांचा और हथियार मौजूद थे। अमेरिका के एक अन्य अधिकारी ने अपना नाम गोपनीय रखे जाने की शर्त पर कहा कि और भी हमले किए जा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में एफ–15 ईगल विमानों, ए–10 थंडरबोल्ट विमानों और एएच–64 अपाचे हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि जॉर्डन के एफ–16 लड़ाकू विमान और हिमर्स रॉकेट तोपखाने का भी इस्तेमाल किया गया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ''यह युद्ध की शुरुआत नहीं है बल्कि यह बदले की घोषणा है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा के लिए कभी हिचकिचाएगा नहीं और कभी पीछे नहीं हटेगा।'' सीरियाई रेगिस्तान में पिछले सप्ताह हुई गोलीबारी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ''कड़ी जवाबी कार्रवाई'' करने का संकल्प लिया था और इन हमलों के लिए उन्होंने आईएस को जिम्मेदार ठहराया था। मारे गए सैनिक उन सैकड़ों अमेरिकी सैनिकों में शामिल थे जो आतंकवादी संगठन के खिलाफ गठबंधन के तहत पूर्वी सीरिया में तैनात हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा कि ये हमले आईएस के ''गढ़ों'' को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं। उन्होंने सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल–शरा के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि वह (सीरियाई राष्ट्रपति) इस अभियान का ''पूरी तरह समर्थन'' कर रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, ''जो भी आतंकवादी अमेरिका पर हमला करने या धमकी देने की हिम्मत करेंगे, उन्हें पहले से कहीं ज्यादा कड़ा जवाब मिलेगा।

ट्रंप की प्राथमिकता रही 'शांति स्थापना'

भारत–पाकिस्तान विवाद पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को का दावा

भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने का क्रेडिट अमेरिका 1000 से ज्यादा बार कर चुका है और भारत ने अमेरिका के हर दावे को नकार दिया है। अब एक बार फिर से अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का ज़िक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि उन्होंने इस साल कई दूसरे मामलों के साथ सुलझाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नेता ने ष्शांतिदूत बनना अपनी प्राथमिकता बनाया है।ष ट्रंप अब तक करीब 70 बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का दावा दोहरा चुके हैं। रूबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में जुड़ा हुआ है, जिसमें ऐसे संघर्ष भी शामिल हैं जो ष्शायद अमेरिका में रोज़मर्रा की ज़िंदगी के लिए उतने ज़रूरी नहीं हैं।ष रूबियो ने शुक्रवार को साल के आखिर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ष्राष्ट्रपति ने शांतिदूत बनना अपनी प्राथमिकता बनाया है और इसलिए आपने हमें रूस, यूक्रेन, या भारत और पाकिस्तान या थाईलैंड और कंबोडिया जैसे मामलों में शामिल देखा है, जो एक लगातार चुनौती है। रुबियो ने शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राष्ट्रपति ने शांतिदूत की भूमिका को प्राथमिकता दी है और इसलिए आपने हमें वर्तमान की चुनौतियों जैसे कि रूस, यूक्रेन, भारत और पाकिस्तान या थाईलैंड और कंबोडिया के संघर्षों को समाप्त करने की कोशिश में अहम भूमिका निभाते देखा है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा सुलझाए गए कुछ संघर्षों की जड़ें ''कई वर्षों पुरानी हैं, लेकिन हम इन्हें सुलझाने में सहायता करने के लिए तैयार हैं।'' जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 आम नागरिकों की मौत के बाद भारत ने छह–सात मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया। चार दिनों तक जारी रहे सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को संघर्ष को समाप्त करने के लिए सहमत हुए। भारत ने संघर्ष के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। रुबियो ने चीन और जापान को लेकर संबंधों से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, "हम समझते हैं कि उस क्षेत्र में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हम जापान के साथ अपनी मजबूत और ठोस साझेदारी एवंगठबंधन को जारी रखते हुए, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और चीन सरकार के साथ भी मिलकर काम करने के व्यावहारिक और सकारात्मक रास्ते तलाश सकते हैं।" उन्होंने कहा कि चीन एक समृद्ध और शक्तिशाली देश बना रहेगा और भू–राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने कहा, "हमें उनके साथ संबंध रखने होंगे और उनसे बातचीत करनी होगी। हमें उन क्षेत्रों को तलाशना होगा, जिन पर हम मिलकर काम कर सकते हैं। मेरा मानना है कि दोनों पक्ष इतने परिपक्व हैं कि यह स्वीकार कर सकें कि अभी आने वाले समय में भी तनाव के कुछ बिंदु बने रहेंगे।" उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका को मिलकर काम करने के अवसर तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपने साझेदारों के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को खतरे में डाले बिना या किसी भी तरह से कमजोर किए बिना ऐसा कर सकते हैं। इसमें केवल जापान ही नहीं, बल्कि दक्षिण कोरिया भी शामिल है और यदि और आगे बढ़ें तो भारत,

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य सभी देश भी इसमें आते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या गाजा में शांति स्थापना के लिए सैनिक भेजने को लेकर अमेरिका को पाकिस्तान की सहमति मिली है, रुबियो ने कहा कि जिन देशों से वाशिंगटन ने जमीनी स्तर पर मौजूदगी को लेकर बातचीत की है, वे सभी यह जानना चाहते हैं कि विशिष्ट जनादेश क्या होगा और वित्तपोषण की व्यवस्था कैसी होगी। उन्होंने कहा, ''हम पाकिस्तान के आभारी हैं कि उन्होंने इसमें शामिल होने की पेशकश की या कम से कम इस पर विचार करने की पेशकश की।

यूक्रेन में क्रेमलिन के सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए जाएंगे : पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को कहा कि मॉस्को की सेना यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रही है और क्रेमलिन के सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए जाएंगे। पुतिन ने अपने वर्षांत संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि रूसी सेनाओं ने ''रणनीतिक पहल को पूरी तरह से अपने हाथ में ले लिया है'' तथा वर्ष के अंत तक और अधिक लाभ प्राप्त होंगे। क्रेमलिन का आशय रूस की सरकार या सत्ता प्रतिष्ठान से होता है। वर्ष 2022 में संघर्ष के शुरुआती दिनों में, यूक्रेन की सेना ने रूस की विशाल और बेहतर अस्त्रों से लैस सेना के राजधानी कीव पर कब्जा करने के प्रयास को विफल कर दिया था। हालांकि, लड़ाई जल्द ही भीषण संघर्ष में बदल गई, और मॉस्को की सेना ने वर्षों से धीमी लेकिन लगातार प्रगति की है। पुतिन ने कहा, ''हमारी सेनाएं संपर्क रेखा के पार हर जगह आगे बढ़ रही हैं, कुछ क्षेत्रों में तेज़ी से तो कुछ में धीमी गति से, लेकिन दुश्मन सभी क्षेत्रों में पीछे हट रहा है।'' रूसी राष्ट्रपति द्वारा वार्षिक संवाददाता सम्मेलन के साथ ही एक राष्ट्रव्यापी 'कॉल–इन शो' भी आयोजित किया जाता है, जिसमें पूरे देश के रूसियों को पुतिन से सवाल पूछने का अवसर मिलता है। पुतिन 25 साल से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। इस वर्ष, पर्यवेक्षक यूक्रेन और वहां अमेरिका समर्थित शांति योजना पर पुतिन की टिप्पणियों पर नजर रख रहे हैं। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद से लगभग चार वर्षों से जारी लड़ाई को समाप्त कराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक राजनयिक प्रयास शुरू किया है, लेकिन वाशिंगटन के प्रयासों को मॉस्को और कीव की ओर से तीव्र रूप से परस्पर विरोधी मांगों का सामना करना पड़ा है। पुतिन चाहते हैं कि उनकी सेनाओं द्वारा कब्जाए गए चार प्रमुख क्षेत्रों के सभी इलाके, साथ ही 2014 में अवैध रूप से कब्जाए गए क्रीमिया प्रायद्वीप को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जाए।

संक्षिप्त समाचार

मिस्टर एंड मिसेज इमरान को 17 साल की सजा, 1–1 करोड़ का जुर्माना

संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की एक विशेष अदालत ने शनिवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआइ) के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना–2 मामले में 17 साल की कैद की सजा सुनाई है। डॉन ने अदालत के आदेश की प्रति का हवाला देते हुए बताया कि सजा सुनाते समय इमरान खान की अधिक उम्र और बुशरा बीबी के महिला होने के कारण उन्हें कम सजा दी गई है। दोनों पर 164 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कानून के अनुसार, जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त कारावास की सजा होगी। अदालत के आदेश की प्रति का हवाला देते हुए डॉन ने रिपोर्ट किया कि इसमें कहा गया है इस अदालत ने सजा सुनाते समय इमरान अहमद खान नियाजी की वृद्धावस्था के साथ–साथ इस तथ्य पर भी विचार किया है कि बुशरा इमरान खान एक महिला हैं। इन्हीं दोनों कारकों को ध्यान में रखते हुए कम सजा देने में नरमी बरती गई है। डॉन के अनुसार, यह मामला एक महंगे बुल्गारी आभूषण सेट की खरीद से संबंधित है, जिसे मई 2021 में सऊदी क्राउन प्रिंस ने आधिकारिक दौरे के दौरान इमरान को बहुत कम कीमत पर उपहार में दिया था। इसमें आगे बताया गया है कि यह फैसला रावलपिंडी की अडियाला जेल में हुई सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश केंद्रीय शाहरुख अरजुमंद ने सुनाया, जहां इमरान कैद हैं। इमरान को कुल 17 साल की कैद की सजा सुनाई गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 34 (सामान्य इरादा) और 409 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत 10 साल की कठोर कारावास और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 5(2) (लोक सेवकों द्वारा आपराधिक कदाचार) के तहत सात साल की सजा सुनाई गई। यह भी बताया गया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भी इन्हीं धाराओं के तहत कुल 17 साल की कैद की सजा सुनाई गई। इसमें यह भी कहा गया कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 382–बी (कारावास की सजा सुनाते समय हिरासत की अवधि पर विचार किया जाना) का लाभ दोषियों को दिया जाता है।

बांग्लादेश में भारत विरोधी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का अंतिम संस्कार, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

इंकलाब मंचो के कार्यकर्ता अपने दिवंगत नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की अंतिम यात्रा के लिए एकत्र हुए। ढाका के कई हिस्सों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। राष्ट्रीय संसद भवन के दक्षिण में स्थित मानिक मियां एवेन्यू में हादी की अंतिम संस्कार प्रार्थना की तैयारियां चल रही हैं। अंतिम संस्कार प्रार्थना दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) निर्धारित है। समारोह में कुछ ही घंटे शेष हैं, इसलिए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। इंकलाब मंचो के संयोजक हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर इलाके में रिक्शा में यात्रा करते समय करीब से गोली मार दी गई थी। 15 दिसंबर को उन्हें उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर ले जाया गया। 18 दिसंबर को उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मृत्यु की खबर के बाद ढाका भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिसमें कार्यकर्ताओं ने अपने दिवंगत नेता के लिए न्याय की मांग की। हादी का शव राजधानी वापस लाए जाने के बाद शुक्रवार को कई दौर के प्रदर्शन हुए। इंकलाब मंचो ने अपने समर्थकों से अंतिम संस्कार जुलूस के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की है, लेकिन ढाका में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अशांति के बीच, कई नागरिक संगठनों ने गृह सलाहकार के इस्तीफे की मांग की है, उन पर हादी की हत्या और उसके बाद हुई हिंसा के बाद कानून–व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जारी एक संयुक्त बयान में, 16 संगठनों ने बिगड़ती सार्वजनिक सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और कानून–व्यवस्था बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया। बीडी न्यूज के अनुसार, इन समूहों में गणतांत्रिक अधिकार समिति, नेटवर्क फॉर डेमोक्रेटिक बांग्लादेश, चरण सांस्कृतिक केंद्र, नारीपोक्खो, एसोसिएशन फॉर लैंड रिफॉर्म एंड डेवलपमेंट, यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क, नागरिक गठबंधन और वॉयस फॉर रिफॉर्म शामिल हैं।

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के कार्यालय के कंप्यूटर को संदिग्ध चीनी समूह ने किया हैक

कुछ महीने पहले संदिग्ध चीनी हैकरों ने ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के कार्यालय के संवेदनशील दस्तावेजों वाले कंप्यूटरों को हैक कर लिया था। ब्रिटेन की मीडिया में आई खबरों में शुक्रवार को यह जानकारी सामने आई। ब्रिटेन के व्यापार मंत्री क्रिस ब्रायंट ने स्काई न्यूज को बताया कि यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि इस हैकिंग के लिए कौन जिम्मेदार है। दैनिक समाचारपत्र द सन की खबर के मुताबिक, स्टॉर्म–1849 नामक चीनी हैकरों के एक समूह ने विदेश मंत्रालय के कार्यालय के सर्वरों को निशाना बनाया और वीजा संबंधी जानकारी हासिल कर ली। हैकरों ने हजारों गोपनीय दस्तावेज और डेटा चोरी कर लिये। ब्रायंट ने कहा, ''विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) में निश्चित रूप से हैकिंग हुई है, और हमें अक्टूबर से ही इसकी जानकारी है। हमने हैकिंग रोकने में बहुत जल्दी कामयाबी हासिल कर ली।'' ब्रिटेन की सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, ''हम एक साइबर घटना की जांच में जुटे हुए हैं। हम अपने कंप्यूटरों और डेटा की सुरक्षा को अत्यंत गंभीरता से लेते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायलय के अधीन ही होंगे।